शरद पवार ने जेड प्लस सुरक्षा लेने से इनकार कर दिया है। पवार ने कहा कि सरकार उन्हें क्यों सुरक्षा दे रही है? इसकी जानकारी उन्हें नहीं दी गई है। बता दें केंद्र सरकार ने केंद्रीय एजेंसियों द्वारा खतरे के आकलन की समीक्षा के बाद उन्हें हाल ही में जेड-प्लस सुरक्षा दी

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्षः29 अंकः 117 दिनांकः31-08-2024 शनिवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

पैरालिंपिक 2024 में भारत का खाता गोल्ड मेडल के साथ खुला है। महिला शूटर अवनि लेखरा ने 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएस1 में भारत के लिए गोल्ड मेडल पर कब्जा किया। इसी इवेंट में भारत की शूटर मोना अग्रवाल ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

मैं सिर झुका कर अपने भगवान शिवाजी महाराज से माफी मांगता हूं : पीएम मोदी

उन्हें सावरकर का अपमान कर पश्चाताप तक नहीं होता

मुंबई (ईएमएस)। मालवण में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति ढहने की घटना पर पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को माफी मांगी है। पीएम मोदी ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज हमारे लिए सिर्फ एक नाम नहीं है। आज मैं सिर झुकाकर अपने भगवान छत्रपति शिवाजी महाराज से माफी मांगता हूं। उन्होंने कहा कि हमारे संस्कार अलग हैं, हम वह लोग नहीं हैं, जो आए दिन भारत मां के महान सपूत, इसी धरती के लाल वीर सावरकर को अनाप-शनाप गालियां देते रहते हैं, अपमानित करते हैं, देशभक्तों की भावनाओं को कुचलते हैं। वे लोग सावरकर को गालियां देने के बाद भी माफी मांगने को तैयार नहीं हैं। उन्हें पश्चाताप तक नहीं होता है, महाराष्ट्र की जनता उनके संस्कार को जान गई है।

पीएम मोदी ने कहा कि जब 2013 में भाजपा ने मुझे प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में निश्चित किया, तब मैंने सबसे पहले रायगढ़ के किले में जाकर छत्रपति शिवाजी महाराज की समाधि के सामने बैठ कर प्रार्थना की और राष्ट्रसेवा की एक नई यात्रा आरंभ की थी। उन्होंने कहा कि जो लोग छत्रपति शिवाजी महाराज को अपना देवता मानते हैं और इससे उन्हें बहुत ठेस पहुंची है, मैं सिर झुकाकर उनसे माफी मांगता हूं। हमारे मूल्य अलग हैं। हमारे लिए हमारे देवता से बड़ा कुछ नहीं है।

उन्होंने कहा कि जो लोग शिवाजी महाराज को अपना देवता मानते हैं और इससे उन्हें बहुत ठेस पहुंची है, मैं सिर झुकाकर उन लोगों से माफी मांगता हूं। हमारे मूल्य अलग हैं। हमारे लिए हमारे देवता से बड़ा कुछ नहीं है। मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र के पास विकास के लिए सामर्थ्य भी है और जरूरी संसाधन भी है। यहां समुद्र के तट भी है और इन तटों से अंतरराष्ट्रीय व्यापार का सदियों पुराना इतिहास भी है। यहां भविष्य की अपार संभावनाएं भी हैं। इन अवसरों का पूरा लाभ महाराष्ट्र और देश को मिले... इसके लिए शुक्रवार को वाढवण पोर्ट की नींव रखी गई है। यह देश का सबसे बड़ा कंटेनर पोर्ट होगा। ये देश ही नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे गहरे पोर्ट में से एक महत्वपूर्ण पोर्ट होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने दो-तीन दिन पहले ही दिघी बंदरगाह औद्योगिक क्षेत्र के विकास को भी मंजूरी दे दी है। यानि, ये महाराष्ट्र के लोगों के लिए डबल खुशखबरी है। ये छत्रपति शिवाजी के सपनों का भी प्रतीक बनेगा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की प्रगति यात्रा में आज एक ऐतिहासिक दिन है। विकसित महाराष्ट्र, विकसित भारत के संकल्प का एक अनिवार्य हिस्सा है। इसलिए, पिछले 10 वर्षों में हमने महाराष्ट्र की प्रगति के लिए लगातार बड़े फैसले लिए हैं।

राहुल गांधी को चुनाव लड़ने कांग्रेस ने दिए 70 लाख रुपये

नई दिल्ली (ईएमएस)। हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में उम्मीदवारों द्वारा खर्च का ब्यौरा सभी पार्टियों ने चुनाव आयोग को सौंपा है। कांग्रेस ने भी अपने उम्मीदवारों पर चुनाव में खर्चे किए गए पैसों का विवरण सौंपा है। चुनाव आयोग की साइट के अनुसार, राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान 1 करोड़ 40 लाख रुपये खर्च किए। राहुल गांधी ने दो जगहों, केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के रायबरेली से चुनाव लड़ा था। पार्टी ने उन्हें प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र के लिए 70 लाख रुपये दिया था, जिनका उन्होंने दोनों सीटों पर बराबर खर्चे किया। राहुल ने दोनों पर जीत हासिल की थी। हालांकि उन्होंने रायबरेली सीट अपने पास रखा। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किए गए 'खर्च का विवरण' के अनुसार कांग्रेस ने करीब सभी नेताओं को चुनाव लड़ने के लिए 70 लाख रुपये दिए थे। कांग्रेस के जिन नेताओं को 70 लाख से अधिक रुपये दिए थे, उसमें मंडी लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले नेता विक्रमादित्य सिंह शामिल हैं।

जातिगत जनगणना में इंडिया के राग में रंगी दिख रही जेडीयू

नई दिल्ली (ईएमएस)। ओबीसी कल्याण पर संसदीय समिति की हाल ही में हुई बैठक में इंडिया गठबंधन के दलों और एनडीए सहयोगियों ने जातिगत जनगणना को लेकर अपनी मांगों को मजबूती से उठाया। बैठक में जेडीयू ने विशेष रूप से जातिगत जनगणना कराने की मांग की और ओबीसी के लिए क्रीमी लेयर की सीमा को मौजूदा सीमा से बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने का प्रस्ताव रखा। जेडीयू का कहना है कि वर्तमान में क्रीमी लेयर की सीमा ओबीसी वर्ग के लिए पर्याप्त नहीं है, इस सीमा को बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

इंडिया गठबंधन के दलों ने भी जातिगत जनगणना की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने समिति के अध्यक्ष से अनुरोध किया कि वे गृह मंत्रालय को एक सिफारिशी पत्र भेजें, जिसमें देश में जातिगत जनगणना करने की मांग करे। बैठक में ओबीसी के लिए खाली पदों को भरने और आरक्षण लागू करने की भी मांग की गई। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में ओबीसी की खाली सीटों को तत्काल भरने और अस्थायी पदों में भी आरक्षण को लागू करने की मांग प्रमुखता से उठाया गया।

भारत-चीन की बीजिंग में बैठक, सीमा पर शांति बरकार रखने पर राजी

बीजिंग,(ईएमएस)। भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श और सहयोग के लिए बने वर्किंग मैकेनिज्म (डब्ल्यूएमसीसी) की 31वीं बैठक बीजिंग में हुई। भारत-चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद चार साल से जारी है। यह बैठक इसलिए भी जरूरी है क्योंकि यह दोनों देशों के बीच पिछले कुछ समय से जारी तनाव के बीच हुई है। दोनों देशों के बीच 1993 से ही सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए कई समझौते हुए। 1993 के बाद 1996, 2003 और 2005 में भी समझौते हुए।

इस बैठक में भारतीय प्रतिनिधि दल की अगुवाई ज्वाइंट सेक्रेटरी गौरांगलाल दास ने की। चीन के दल का प्रतिनिधित्व हांग लिआंगने किया। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच जुलाई 2024 में अस्ताना में हुई बातचीत और इस मैकेनिज्म की पिछले महीने की बातचीत इस बैठक का आधार बनी। विदेश मंत्रालय के मुताबिक दोनों देशों के बीच ये बातचीत रचनात्मक रही। दोनों देशों की तरफ से फ्यूचर के नजरिए से एलएसी की स्थिति को लेकर विचारों को साझा किया गया, जिससे आपसी मतभेदों को कम किया जा सके और विवाद का जल्द समाधान हो सके।

बैठक में इस बात पर भी सहमति बनी कि दोनों देशों की ओर से माने गए मौजूदा द्विपक्षीय समझौतों और प्रोटोकॉल्स के तहत बॉर्डर के क्षेत्रों में शांति बरकार रखेंगे। बैठक में इस बात को दोहराया गया कि एलएसी के प्रति सम्मान और शांति बनाए रखना द्विपक्षीय संबंधों में नॉर्मेलसी के लिए बेहद जरूरी है। इस दौरान दास ने चीनी विदेश मंत्रालय के उपमंत्री से भी मुलाकात की।

हिमंत सरकार ने पेश किया बिल........ मुस्लिम विवाह में काजी व्यवस्था से छुटकारा

गुवाहाटी (ईएमएस)। असम विधानसभा ने निकाह को लेकर एक विधेयक पारित किया है। नए बिल के तहत मुस्लिमों के विवाह और तलाक रजिस्ट्रेशन से जुड़ा कानून निष्प्रभावी होगा। राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री जोगेन मोहन ने विधानसभा में विधेयक पेश किया था, इसमें असम मुस्लिम विवाह और तलाक रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1935 और असम निरसन अध्यादेश 2024 को रद्द करने का प्रावधान है। विधेयक पर सदन में हुई चर्चा में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, हमारा मकसद न केवल बाल विवाह को खत्म करना, बल्कि काजी व्यवस्था से छुटकारा दिलाना है। हम मुसलमानों के विवाह और तलाक का रजिस्ट्रेशन सरकारी प्रणाली के तहत लाना चाहते हैं। सीएम हिंमत ने कहा कि सभी विवाहों का रजिस्ट्रेशन सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार करना होगा, लेकिन राज्य सरकार उद्देश्य के लिए काजियों की तरह अलग से किसी निजी इकाई का समर्थन नहीं कर सकती।

विपक्षी दलों ने फैसले की निंदा कर मुस्लिमों के साथ भेदभाव वाला और चुनावी साल में मतदाताओं के ध्रुवीकरण वाला बताया। असम सरकार ने मंगलवार को असम मुस्लिम विवाह और तलाक अनिवार्य रजिस्ट्रेशन विधेयक, 2024 पेश किया था।

असम विधानसभा में जुम्मा ब्रेक बंद......सीएम सरमा ने जाहिर की खुशी

गुवाहाटी (ईएमएस)। असम के विधानसभा के कर्मचारियों को 2 घंटे के जुम्मे की नमाज की छुट्टी पर रोक लगा दी है। अब विधानसभा के कर्मचारियों को ये ब्रेक नहीं मिलेगा। इस प्रथा की शुरुआत मुस्लिम लीग के सैयद सादुल्ला ने 1937 में की थी।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने ट्वीट कर विधानसभा के अध्यक्ष का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि इस फैसले के जरिए असम विधानसभा ने उत्पादकता को प्राथमिकता दी है और औपनिवेशिक बोझ के एक और निशान को हटा दिया है।

आश्रित की नियुक्ति कानून के तहत होती है, वसीयत से मिले अधिकारों से नहीं

प्रयागराज (ईएमएस)। यहां एक याची के पति अतुल शुक्ल नगर पंचायत में कर्मचारी थे। पारिवारिक कलह के चलते याची गौरी अपने 2 बच्चों को लेकर मायके चली गई। वहीं इस दौरान याची की सास अभिलाषा व देवर ने सारी संपत्ति की वसीयत करा ली।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि मृत कर्मचारी के आश्रित की नियुक्ति कानून के तहत होती है वसीयत से मिले अधिकारों के तहत नहीं। कोर्ट ने कहा कि मृतक आश्रित कोटे में नियुक्त याची को जिन आरोपों पर बर्खास्त किया है वे आरोप कानून की नजर में आरोप ही नहीं हैं। इसके बाद कोर्ट ने कन्नौज की नगर पंचायत तिरवागंज में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को सेवा में बहाल कर दिया। साथ ही वेतन भुगतान करने का निर्देश भी दिये। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर ने गौरी शुक्ला की याचिका पर यह आदेश दिया है।

याची के पति अतुल शुक्ल नगर पंचायत में कर्मचारी थे। पारिवारिक कलह के चलते याची गौरी बच्चों को लेकर मायके चली गई। इस दौरान याची की सास अभिलाषा व देवर ने सारी संपत्ति की वसीयत करा ली। वसीयत में याची व उसके बच्चों को कोई अधिकार नहीं दिया। इसी दौरान पति अतुल की सेवाकाल में मृत्यु हो गई। ऐसे में याची की पत्नी के रूप में आश्रित कोटे में नियुक्ति की गई है।

इस दौरान दिवंगत कर्मचारी की मां ने संबंधित विभाग में शिकायत करते हुए कहा कि याची की अनुकंपा नियुक्ति गलत है। इस पर याची को बर्खास्त कर दिया गया।

इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। याची के वकील आशीष व गिरीश ने दलील दी कि याची को मनगढ़ंत आरोपों पर बिना उसका पक्ष सुने बर्खास्त कर दिया गया है। कोर्ट ने अधिशासी अधिकारी के याची की बर्खास्तगी आदेश को रद्द कर दिया है। साथ ही याची के खिलाफ आरोप गढ़ने वाले अधिशासी अधिकारी और जांच अधिकारी को भविष्य में सावधानी बरतने की नसीहत दी है। याची को सेवा में बहाल कर नियमित वेतन भुगतान का निर्देश दिया है।

आपका जबाव नहीं मिला......यह कहकर ममता ने फिर लिखा पीएम को पत्र

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कहा है कि उन्होंने पहले भी बलात्कार के मामलों के लिए कड़े केंद्रीय कानून और अपराधियों के लिए अनुकरणीय सजा का अनुरोध किया था, लेकिन उन्हें कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। पत्र में सीएम ममता ने उल्लेख किया है कि राज्य सरकार द्वारा 10 विशिष्ट पॉक्सो अदालतों को मंजूरी दी गई है। साथ ही 88 एफटीएससी और 62 पोक्सो नामित अदालतें पूरे राज्य में पूर्ण राज्य वित्त पोषण पर काम कर रही हैं, मामलों की निगरानी और निपटान पूरी तरह से अदालतों के हाथों में है।

अपने नए पत्र में, जिसकी एक प्रति उन्होंने अपने पोस्ट की थी, ममता ने मोदी सरकार से देश में यौन हिंसा के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए कड़े कानून लाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इतने संवेदनशील मुद्दे पर आपकी तरफ से कोई जवाब नहीं मिला। हालाँकि, भारत सरकार की महिला एवं बाल विकास मंत्री से एक उत्तर प्राप्त हुआ है, जो मेरे पत्र में उठाए गए मुद्दे की गंभीरता पर ध्यान नहीं देता है।

एमार इंडिया पर ईडी ने कसा शिकंजा, कंपनी ने बुर्ज खलीफा का किया था निर्माण

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दुबई की रियल स्टेट कंपनी की भारतीय इकाई एमार इंडिया पर ईडी ने शिकंजा कसा दिया है। ईडी ने एमार इंडिया लिमिटेड और एमजीएफ डेवलपमेंट्स यह जानकारी ईडी ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में दी है। एमार प्रॉपर्टीज की स्थापना 1997 में कंपनी के फाउंडर मोहम्मद अलब्बार ने की थी। एमार कमर्शियल और रेजिडेंशियल प्रॉपर्टीज के साथ-साथ मॉल और लग्जरी होटल जैसी प्रॉपर्टीज का निर्माण भी करती है। दुबई सरकार के पास शुरू में कंपनी का 100 फीसदी स्वामित्व था, जबकि संस्थापक शेयरधारकों के पास 24.3 फीसदी हिस्सेदारी थी। 2000 में आईपीओ आने के बाद एमार प्रॉपर्टीज का कारोबार सार्वजनिक कंपनी के रूप में शुरू हुआ था।

एमार प्रॉपर्टीज दुनिया की सबसे मूल्यवान रियल स्टेट कंपनियों में से एक है जिसकी वैल्यूएशन 48.3 बिलियन डॉलर है। यह कंपनी रियल स्टेट के अलावा लग्जरी होटल चेन, रिटेल, माइनिंग और कमोडिटीज में भी अपना दखल रखती है। एमार प्रॉपर्टीज का नाम दुनिया की सबसे ऊंची बिल्डिंग बुर्ज खलीफा बनाने के लिए जाना जाता है।

एमार दुनियाभर में कई तरह के आयोजन भी करती है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण 2015 में न्यूयोर्क में आयोजित न्यू ईयर सेलिब्रेशन कार्यक्रम था जो उस समय टीवी पर सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो था। इस शो ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी अपना नाम दर्ज करवाया था। दिसंबर 2020 में, अलब्बार ने एमार के चेयरमैन ने पद से इस्तीफा दे दिया, लेकिन प्रबंध निदेशक के रूप में वह दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों की देखरेख करते रहे।

एमार प्रॉपर्टीज की नई वित्तीय रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के पास 23.76 बिलियन डॉलर की संपत्ति है। किसी कंपनी की शुद्ध संपत्ति उसकी संपत्तियों के योग में से उसकी देनदारियों के योग को घटाकर प्राप्त की जाती है। यह पहली बार नहीं है जब एमार इंडिया कानून प्रवर्तन की निगरानी में है। मीडिया रिपोर्ट में 2 जून, 2023कोअज्ञात स्त्रोतों के हवाले से बताया गया था कि दुबई की एम्मार प्रॉपर्टीज़ की सहायक कंपनी एम्मार इंडिया लिमिटेड के कुछ वरिष्ठ अधिकारी कथित तौर पर रियल एस्टेट धोखाधड़ी के एक मामले में ईओडब्ल्यू के सामने पेश हुए थे।

भूपेंद्र हुड्डा पर ईडी का शिकंजा, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में करोड़ों की संपत्ति जब्त

चंडीगढ़,(ईएमएस)। ईडी ने हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा और एमार और एमजीएफ डेवलपमेंट्स लिमिटेड सहित अन्य लोगों से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गुरुग्राम और दिल्ली के 20 गांवों में स्थित 834 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त कर ली है। ईडी ने कहा कि वित्तीय जांच एजेंसी ने 401.65479 एकड़ में फैली और 834.03 करोड़ रुपए कीमत की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है, जो एमार इंडिया लिमिटेड (501.13 करोड़) और एमजीएफ डेवलपमेंट्स लिमिटेड (332.69 करोड़ रुपए) से संबंधित है।

ईमार और एमजीएफ डेवलपमेंट्स दोनों की गुरुग्राम के सेक्टर 65 और 66 में आवासीय प्लॉट वाली कॉलोनी के लिए नगर और ग्राम आयोजना विभाग (डीटीसीपी) से 11 नवंबर, 2010 को प्राप्त लाइसेंस के संबंध में मनी लॉन्ड्रिंग के लिए जांच की जा रही है। ईडी ने हरियाणा के तत्कालीन सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा, तत्कालीन निदेशक डीटीसीपी, त्रिलोक चंद गुप्ता, एमार एमजीएफ लैंड लिमिटेड और 14 अन्य कॉलोनाइजर कंपनियों के खिलाफ सीबीआई द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की है।

आधार में उम्र बदलकर युवा ले रहे हैं बुजुर्गों की पेंशन का लाभ

नागौर (ईएमएस)। आधार में संशोधन करने का ऑप्शन खोल दिया गया है। उसका बड़े पैमाने पर दुरुपयोग किया जा रहा है। हाल ही में एक मामला सामने आया है। जिसमें युवाओं ने आधार में अपनी उम्र बदलकर 60 वर्ष के ऊपर की डाल दी है। उसके बाद वह बुजुर्गों की पेंशन का लाभ ले रहे हैं।

नागौर जिले की 15 ग्राम पंचायतों के 674 युवा हर माह केंद्र एवं राज्य सरकार की पेंशन ले रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकार को हर माह 7,41,000 रुपए पेंशन घोटाले में शासन के खजाने से धोखाधड़ी करके निकल जा रहे हैं।

कहा जा रहा है कि पूरे प्रदेश में इस मामले की जांच कराई जाए, तो हर माह करोड़ों रुपए का घोटाला प्रदेश में हो रहा है। कम उम्र के लोग बुजुर्ग पेंशन का लाभ उठा रहे हैं।पिछले कई वर्षों से यह धोखाधड़ी सुंयोजित रूप से की जा रही है। फर्जी आधार कार्ड बनाए जाने का मामले भी सामने आ रहे हैं।इसमें कई विकास अधिकारी और जिला परिषद के अधिकारी भी शामिल हैं।

जेड प्लस सुरक्षा लेने से शरद पवार का इंकार........खुद जांच करुंगा फिर

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने शुक्रवार को गृह मंत्रालय द्वारा दी गई जेड प्लस कैटेगरी की सुरक्षा लेने से इंकार किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कुछ दिन पहले ही पवार को जेड प्लस सुरक्षा देने का निर्णय लिया था, इसमें सीआरपीएफ के 58 कमांडो उनकी सुरक्षा में तैनात होने थे।

सूत्रों के मुताबिक, शरद पवार ने कहा है कि मैं पहले यह जांच करुंगा कि उनके खिलाफ किस प्रकार के कोई खतरे का अंदेशा है, और उसके बाद ही सुरक्षा लेने पर विचार करुंगा। उन्होंने इस संबंध में गृह मंत्रालय के कुछ अधिकारियों से जानकारी भी मांगी है। फिलहाल, पवार ने जेड प्लस सुरक्षा लेने से मना कर दिया है।

बता दें कि पवार पहले भी जेड प्लस सुरक्षा को लेकर अपनी उदासीनता जाहिर कर चुके हैं। अभी हाल ही में जब उन्हें ये सुरक्षा देने का फैसला लिया गया था, पवार ने तब भी इस पर तंज कसा था। जेड प्लस सुरक्षा पर उन्होंने इस सुरक्षा को जासूसी का जरिया बताया था। पवार ने कहा था कि उन्हें दी गई जेड प्लस सुरक्षा उनके बारे में प्रामाणिक जानकारी प्राप्त करने का एक तरीका हो सकता है, क्योंकि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नजदीक हैं।

जेड-प्लस सुरक्षा मिलने के सवाल पर पवार ने कहा कि उन्हें कदम के पीछे का कारण नहीं मालूम है। हालांकि उन्होंने केंद्र के फैसले पर शक जरूर जाहिर किया था। पवार ने कहा, गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने मुझे बताया कि सरकार ने तीन व्यक्तियों को जेड प्लस सुरक्षा देने का फैसला किया है और मैं उनमें से एक था। मैंने पूछा कि अन्य दो कौन हैं। मुझे बताया गया कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हैं।

बता दें कि आरएसएस प्रमुख को एडवांस सिक्योरिटी लाइन (एएसएल) सुरक्षा दी जा रही है। जबकि केंद्रीय मंत्री शाह को लगभय यह सुरक्षा मिली हुई है। यह सुरक्षा जेड प्लस से ऊपर की श्रेणी की होती है। इसमें सुरक्षा का ज्यादा इंतजाम होता है।

पाकिस्तान पर केंद्रीय मंत्री जयशंकर निर्बाध बातचीत का युग खत्म

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली में एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में पाकिस्तान पर केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, पाकिस्तान के साथ निर्बाध बातचीत का युग खत्म....जहां तक जम्मू-कश्मीर का सवाल है, धारा 370 खत्म हो गई है, तब मुद्दा यह है कि हम पाकिस्तान के साथ किस तरह के रिश्ते पर विचार कर सकते हैं... मैं जो कहना चाहता हूं वह यह है कि हम निष्क्रिय नहीं हैं, और चाहे घटनाएं सकारात्मक या नकारात्मक दिशा लेती हों, किसी भी तरह से हम प्रतिक्रिया देने को तैयार है। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा क पाकिस्तान के साथ निर्बाध बातचीत का युग अब खत्म हो चुका है। उन्होंने साफ किया कि भारत अब आतंकवाद और बातचीत को एक साथ नहीं देख सकता है, और पाकिस्तान को अपनी नीति पर पुनर्विचार करना होगा यदि वह भारत के साथ बातचीत करना चाहता है।

जयशंकर का बयान भारत-पाकिस्तान संबंधों में हाल के वर्षों में आए तनाव को दिखाता है। उन्होंने कहा, भारत ने अतीत में पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए कई प्रयास किए, लेकिन आतंकवाद के मुद्दे पर उनकी दोहरी नीति के कारण यह संभव नहीं हो सका। अब समय आ गया है कि पाकिस्तान समझे कि बातचीत कीमेज पर बैठने के लिए आतंकवाद को पूरी तरह से खत्म करना होगा।

50 गांवों में फैली भेड़यों की दहशत,ग्रामीण रात भर जागकर देते हैं पहरा, बच्चों को घर में किया कैद

बहराइच (ईएमएस)। जिले के महसी तहसील क्षेत्र समेत करीब 50 गांवों में भेडियों का आतंक है। लोग डरे हुए हैं और बच्चों को घर से नहीं निकलने दे रहे हैं। जबकि गांव वाले पूरी रात लाठी डंडे लेकर जागते हैं और बैठे बैठे ही रात काट देते हैं। दहशत इतनी ज्यादा है कि बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं, तो महिलाएं और ग्रामीणजन खेतों में जाने से घबरा रहे हैं। ये हालात इसलिए बने हैं यहां हाल में करीब एक दर्जन भेडिए आ गए हैं। कई लोगों पर हमला भी किया है जिसमें कुछ लोगों की मौत होने की खबर है। हालांकि राहत की बात ये हैं वन विभाग के अमले ने सर्च अभियान चलाकर 4 भेडिए पकड़ लिए है, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि अभी करीब 9 से 10 भेडिए हैं। जबकि वन विभाग का कहना है कि मात्र 2 भेडिए बचे हैं उन्हे भी जल्द पकड़ लिया जाएगा।

आशंका जताई जा रही है कि शिवपुर इलाके में कुछ जानवर घूमते हुए नजर आ रहे हैं। ड्रोन कैमरे में जानवर चहलकदमी करते हुए नजर आए हैं। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आशंका जताई जा रही है कि ये जानवर भेड़िये ही हो सकते हैं। वायरल हो रहा यह वीडियो शिवपुर ब्लॉक क्षेत्र के मटेरा कला का बताया जा रहा है। बाराबंकी के डीएफओ अकाशदीप बाधवान ने बताया, 'जाल लगने जा रहे हैं। आ जायेगा। पकडने की तैयारी है। 4 पकड़े गये हैं। 3 पहले पकड़े गए थे। एक आज पकड़ा गया है। अभी 2 बचे हैं। ड्रोन के माध्यम से चेक किया ज रहा है। जब तक ये पकड़े नहीं जाते। लोगों को सतर्क रहने के लिए कहा गया है। बच्चो को अकेला नहीं छोड़ें। इस एरिया मे 50 के आसपास गांव हैंउत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के महसी तहसील क्षेत्र में इन दिनों भेड़ियों का आतंक बना हुआ है। हालांकि काफी दिनों तक कड़ी मशक्कत करने के बाद वन विभाग की टीम ने चार भेड़ियों को पकड़ लिया है और दो की खोजबीन में जुटा हुआ है।

गर्ल्स हॉस्टल के बाथरूम में मिला हिडन कैमरा, छात्राओं ने किया हंगामा

-आरोपी गिरफ्तार, लैपटॉप में मिले 300 अश्लील वीडियो

हैदराबाद,(ईएमएस)। महिलाओं के वॉशरूम में फिर हिडन कैमरा मिलने का मामला सामने आया है। यह घटना आंध्र प्रदेश की बताई जा रही है। यहां एक गर्ल्स हॉस्टल के वॉशरूम में हिडन कैमरा मिलने पर बवाल मच गया। इस मामले में आरोपी कॉलेज का ही छात्र है। घटना गुरुवार की बताई जा रही है। घटना की जांच की जा रही है। कुछ दिनों पहले एक कॉफी आउटलेट के वॉशरूम में भी हिडन कैमरा मिला था। तब कैफे का कर्मचारी ही आरोपी निकला था।

आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले में स्थित एक इंजीनियरिंग कॉलेज में विरोध प्रदर्शन हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हॉस्टल की कई छात्राओं ने इसका विरोध करते हुए न्याय की मांग और नारेबाजी की। साथ ही आरोपी के खिलाफ कार्रवाई और कैंपस में महिलाओं के लिए सुरक्षा इंतेजाम करने मांग भी कर रही हैं।

पुलिस का कहना है कि इस घटना के आरोपी विजय गिरफ्तार कर लिया गया है, जो इसी कॉलेज का छात्र था। साथ ही उसके लैपटॉप से करीब 300 अश्लील वीडियो मिले हैं। पुलिस को शक है कि उसने वीडियो अन्य छात्रों को भी बेचे हैं। हालांकि, विजय की गिरफ्तारी को लेकर स्थिति साफ नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बेंगलुरु के कैफे में मिला था कैमरा

बता दें कुछ दिनों पहले ही बेंगलुरु के एक कैफे थर्ड वेव कॉफी के वॉशरूम में कैमरा मिला था। आरोपी ने वॉशरूम की डस्टबिन में स्मार्टफोन का कैमरा छिपा दिया था। खबरें हैं कि मोबाइल मिलने तक उसमें करीब दो घंटे की रिकॉर्डिंग हो चुकी थी। खास बात है कि आरोपी ने फोन को फ्लाइट मोड पर रखकर छिपाया था। बाद में खुलासा हुआ कि फोन कैफे के एक कर्मचारी का ही था।

युवती से दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन मामले में दो और गिरफ्तार

अमेठी (ईएमएस)। अमेठी के रामगंज क्षेत्र की युवती का धर्म परिवर्तन और दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। इन दोनों पर आरोप है कि इन लोगों ने एक हिन्दू युवती को गुमराह कर सुल्तानपुर ले जाकर बंधक बना दुष्कर्म किया था। तीन आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। एक अन्य की तलाश में दबिश दे रही है।

बता दें युवती को गांव के ही आजाद, मुंशी रजा सहित तीन युवकों ने सुल्तानपुर ले जाकर बंधक बना लिया था। उसके साथ दुष्कर्म करने के बाद दो अन्य के सहयोग से आरोपियों ने धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया था। इस मामले में पांच लोगों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया था। दूसरे दिन पुलिस ने नामजद आरोपियों में से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

मामले की जांच में एक अन्य ग्राम ढेमा गांव निवासी शायरा बेगम का नाम प्रकाश में आया था। मामले में कुल छह लोग शामिल थे। गुरुवार को पुलिस ने मामले में नामजद अब्दुल मजीद व जांच में प्रकाश में आई महिला शायरा बेगम को गिरफ्तार किया है। दोनों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने इन्हेंबजेल भेज दिया है। अभी एक नामजद आरोपी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ा है।

वायएसआरसीपी के दो राज्यसभा सांसदों ने दिया इस्तीफा, 5 और राज्यसभा सांसद दे सकते हैं इस्तीफा

नई दिल्ली (ईएमएस)। आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव में हार के बाद से ही वायएसआरसीपी को झटके लगना जारी है। अब पार्टी राज्यसभा में टूटती जा रही है। खबर है कि गुरुवार को ही दक्षिण भारतीय राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की पार्टी के दो सांसदों ने इस्तीफा दे दिया है। वहीं, संभावनाएं जताई जा रही हैं कि 5 और राज्यसभा सांसद इस्तीफा दे सकते हैं। फिलहाल, इसे लेकर पार्टी ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वायएसआरसीपी के मोपिदेवी वेंकट रमण और बीदा मस्तान राव ने गुरुवार को राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया है। इसके बाद और सांसदों के इस्तीफे की अटकलें तेज हो गईं हैं। हालांकि, इससे भारतीय जनता पार्टी और तेलुगू देशम पार्टी को बड़ा फायदा होने के आसार हैं। कहा जा रहा है कि दोनों दल वायएसआरसीपी सांसदों के संपर्क में हैं औक उप चुनाव में उनका समर्थन करने की पेशकश कर रहे हैं।

सूत्रों ने बताया है कि 5 और सांसद इस्तीफा दे सकते हैं। इनमें गोला बाबूराव, आर कृष्णैया, परिमल नटवानी, एल्ला अयोध्यारामी रेड्डी और मेडा रघुनाथ रेड्डी का नाम शामिल है। रमणा का कहना है कि वह तेदेपा में शामिल हो जाएंगे और मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में काम करने की अपनी इच्छा को पूरा करेंगे।

उन्होंने आरोप लगाए हैं कि वायएसआरसीपी नेतृत्व की तरफ से उनके विधानसभा में बनाए रखने के अनुरोध को कई बार नजरअंदाज कर दिया गया, जिसकेकारण उन्हें राज्यसभा जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। पार्टी बदलने से पहले राव भी टीडीपी के सदस्य थे। खास बात है कि वह टीडीपी से विधानसभा सदस्य भी रह चुके थे। उन्होंने निजी कारणों का हवाला देकर राज्यसभा से इस्तीफा दिया है।

सिख विरोधी दंगों में टाइटलर के खिलाफ हत्या और दंगा भड़काने के मामले में आरोप तय करने का निर्देश

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की एक अदालत ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान शहर के पुल बंगश गुरुद्वारे के बाहर ठाकुर सिंह, बादल सिंह और गुरचरण सिंह की हत्या से जुड़े मामले में कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ हत्या और दंगा भड़काने के मामले में आरोप तय करने का निर्देश दिया है। यह मामला सीबीआई ने दर्ज किया था। सीबीआई मामलों की विशेष अदालत के न्यायाधीश राकेश सियाल ने कहा कि उनके खिलाफ अभियोग चलाने के पर्याप्त सबूत हैं। न्यायाधीश ने कहा, ''आरोपी व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त आधार मौजूद हैं।

अदालत ने आधिकारिक रूप से आरोप तय करने के लिए इस मामले को 13 सितंबर को सूचीबद्ध किया है। अदालत ने कई अपराधों के लिए आरोप तय करने का आदेश दिया है, जिनमें गैरकानूनी ढंग से एकत्र होना, दंगा करना, विभिन्न समूहों के बीच द्वेष को बढ़ावा देना, घर में जबरन घुसना और चोरी शामिल हैं।

पिछले साल मई में सीबीआई ने एक चार्जशीट दायर की थी, जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री टाइटलर पर नवंबर 1984 में गुरुद्वारे के पास एकत्रित भीड़ को उकसाने का आरोप लगाया था। जनवरी में आखिरी बहस के दौरान केंद्रीय एजेंसी ने प्रत्यक्षदर्शियों को पेश किया था और अदालत को बताया था कि कांग्रेस नेता के खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं।

सीबीआई ने अदालत को बताया, टाइटलर ने भीड़ को सिखों को मारने के लिए उकसाया, जिसके परिणामस्वरूप भीड़ ने गुरुद्वारा पुल बंगश को आग लगा दी और सिख समुदाय के तीन लोगों की हत्या कर दी।

जन हितैषी

महाबंगाल का युद्ध अंतिम दौर में, चक्रव्यूह से कैसे निकलेगी भाजपा

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी ने जिस तरह से युद्ध के लिए चक्रव्यूह ममता बनर्जी के लिये रचा था। उस चक्रव्यूह में अब भाजपा खुद भी फंसती हुई नजर आ रही है। पश्चिम बंगाल में भाजपा और टीएमसी का यह महायुद्ध अब अपने निर्णायक दौर पर पहुंच रहा है। भारतीय जनता पार्टी के लिए पश्चिम बंगाल अबूझ पहेली बन गया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को पश्चिम बंगाल की 42 लोकसभा सीटों में से 18 सीटों पर विजय प्राप्त हुई थी। इसके बाद भाजपा ने यह मान लिया था, पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के गढ़ को समाप्त किया जा सकता है। पश्चिम बंगाल में भगवा झंडा फहराने के लिए भाजपा ने 2019 के बाद से लगातार ममता बनर्जी के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया था। 2021 में पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव हुए इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पूरी ताकत लगा दी। 77 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी को विजय प्राप्त हुई। ममता बनर्जी को 294 में से 213 सीटों पर विजय प्राप्त हुई। 2021 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने अपने सभी अस्त्र-शस्त्र और कौशल का उपयोग किया। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल भी खुलकर मैदान में आ गए। ईडी और सीबीआई ने भी अपना पूरा जोर लगा दिया। केंद्र सरकार के सुरक्षा बल चुनाव के पहले तैनात कर दिया गया। उसके बाद भी जो खेला पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खेला था। इसका मुकाबला भाजपा नहीं कर पाई। भारतीय जनता पार्टी के लिए दो राज्य बड़े चुनौती बने हुए हैं। उनमें से एक पश्चिम बंगाल है, दूसरा दिल्ली है। भाजपा को अपना अश्वमेध यज्ञ पूरा करने के लिए इन दो राज्यों में सफलता मिलना जरूरी है, जो अभी तक नहीं मिल पाई है। इसी तरह के सारे प्रयोग दिल्ली में भी किए गए। भाजपा को अभी भी सफलता नहीं मिल पाई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल भेज दिया। उसके बाद भी उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया। दिल्ली सरकार के सारे अधिकार छीन लिए, इसके बाद भी भारतीय जनता पार्टी दिल्ली में अपनी सत्ता स्थापित नहीं कर पाई। पश्चिम बंगाल की इस लड़ाई में आग में घी डालने का काम तब हुआ, जब कोलकाता मेडिकल कॉलेज की एक छात्रा की रेप करके हत्या कर दी गई। भाजपा को लगा, यह मौका है, इस संवेदनशील विषय पर ममता बनर्जी को कटघरे में खड़ा किया जा सकता है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को इस्तीफा देने के लिए विवश किया जा सकता है। अभी तक इस मामले में कोई सफलता भारतीय जनता पार्टी को नहीं मिली है। डॉक्टर की हत्या के 20 दिन हो चुके हैं। भाजपा को लगता था, सीबीआई की जांच कभी ममता स्वीकार नहीं करेगी। लेकिन ममता ने 5 दिन बाद ही सीबीआई को जांच सौंप दी। भारतीय जनता पार्टी जिस तरह से टीएमसी पर आक्रमण कर रही थी। सरकार में होते हुए भी ममता बनर्जी ने सड़कों पर उतरकर भाजपा का विरोध किया। ममता बनर्जी भी डॉक्टर के हत्यारे को फांसी देने की मांग कर रही है। अब सीबीआई जांच कर रही है। इतने दिन बीत जाने के बाद भी सीबीआई कुछ नया नहीं खोज पाई। उल्टे हत्या के मामले को छोड़कर वह मेडिकल कॉलेज के डीन के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच कर रही है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल भी सड़क पर उतर आए। उन्होंने पश्चिम बंगाल की सरकार के खिलाफ अपनी रिपोर्ट गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रपति को सौंप दी। भाजपा ने इस मामले में, डॉक्टर के हत्यारों को सजा देने के स्थान पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर इस्तीफा देने का दबाव बनाया। जिसके कारण कोलकाता और पश्चिम बंगाल की जनता यह समझ गई,डॉक्टर की हत्या के मामले में भाजपा न्याय करने के स्थान पर ममता बनर्जी को सत्ता से अपदस्थ करना चाहती है। भाजपा ने इस लड़ाई को अपनी प्रतिष्ठा का विषय बना लिया है। रही-सही कसर राष्ट्रपति ने कोलकाता के मामले में बयान जारी कर ममता बनर्जी के ऊपर दबाव बनाने की कोशिश की। इसकी भी देश भर में उल्टी प्रक्रिया हुई है। भाजपा अब अपने ही बनाए गए चक्रव्यूह में इस तरह से उलझ गई है। उसे समझ नहीं आ रहा है। पश्चिम बंगाल की लड़ाई किस तरह से जीती जाए। शुक्रवार को एक बार फिर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल दिल्ली पहुंचे हैं। केंद्र सरकार यदि ममता बनर्जी की सरकार को बर्खास्त करती है। ऐसी स्थिति में संसद के दोनों सदनों में इसका अनुमोदन 6 माह के अंदर कराना होगा। तमाम दबाव के बाद भी ममता बनर्जी इस्तीफा देने के लिए तैयार नहीं है। जिन आरोपों पर ममता बनर्जी की सरकार को केंद्र सरकार बर्खास्त करेगी। उससे भी ज्यादा गंभीर आरोप मणिपुर, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान जैसे राज्यों पर हैं। ममता बनर्जी इस लड़ाई को पूरे जोश में लड़ रही है। यदि उनकी सरकार को बर्खास्त किया जाता है, तो वह खुलकर पश्चिम बंगाल से निकलकर देश भर में लड़ाई लड़ेंगी। भाजपा के खिलाफ इंडिया गठबंधन भी उसके साथ होगा। जिस आरोप में ममता की सरकार बर्खास्त की जाएगी। उसकी जवाबदेही केंद्र सरकार पर आ जाएगी। इसका असर राष्ट्रीय स्तर पर होगा। पश्चिम बंगाल मैं जो युद्ध भाजपा द्वारा लड़ा जा रहा है। उसमें टीएमसी और भाजपा दोनों के लिए ही अस्तित्व का संकट है। दोनों के लिए पीछे हटना संभव नहीं है। इस लड़ाई में दोनों ही पक्षों को फायदा कम अस्तित्व का संकट ज्यादा है। इस लड़ाई में राष्ट्रपति के खुद मैदान में आ जाने के कारण, जिस संविधान की रक्षा का भार राष्ट्रपति के ऊपर है। उस संवैधानिक संस्था को भी इस लड़ाई में सबसे ज्यादा नुकसान होने जा रहा है। इसके दीर्घकालीन परिणाम भविष्य में देखने को मिलेंगे। पश्चिम बंगाल की इस लड़ाई में भारतीय जनता पार्टी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की भी प्रतिष्ठा दांव पर लग गई है। अब देखना है, भाजपा ने जो अश्वमेध का घोड़ा छोड़ा था। वह पश्चिम बंगाल और दिल्ली में आकर रुक तो नहीं जाएगा। अश्वमेध यज्ञ पूरा होगा, या अधूरा रह जाएगा। अब यह चर्चा होने लगी है।

सुःख दुःख दुनिया की रीत है

कहते हैं की जब सहने वाले को सब्र आ जाये तो दुःख देने वालों की औकात दो कोड़ी की रह जाती है यह उक्ति शत प्रतिशत सही है। सब्र में बहुत शक्ति होती है सब्र बहुत कुछ सीखा देता है अंत हर चीज का होता है एक समय ऐसा आ जाता है की तमाम दुखों का अंत हो जाता है लेकिन दुखदायी यादें ताउम्र रहती हैं रिश्तों में वह मिठास नहीं रहती क्यूंकि समय निकल जाता है लेकिन मन में एक टीस रहती है सहनशीलता बहुत जरूरी है दुःख देने वाला खुश होता है लेकिन दुःख सहने वाला अभ्यस्त हो जाता है नियति मानकर चलता रहता है दुःख सदा नहीं रहते हर काली रात के बाद सवेरा जरूर होता है यह शाश्वत सत्य है। किसी को दुःख मत दीजिये नफ़रत छोड़ दीजिये प्रेम कीजिये। गिले शिकवे सदैव नहीं रहते समय बलवान होता है समय परिवर्तनशील है समय अच्छा बुरा चलता रहता है कभी धूप कभी छावं होती है। सुख दुःख दुनिया की रीत है जिसने सुख दुःख को समझ लिया उसने जग जीत लिया। समय में कई उतार चढ़ाव आते रहते हैं समय बुरा भी आता है अच्छा भी आता है लेकिन फ़ितरती मानव स्वार्थी है स्वार्थ खत्म पहचान खत्म,रिश्ते खत्म कर देता है। खून के रिश्तों को तोड़ देता है। खून के रिश्ते ही काम आते हैं समय एक जैसा नहीं रहता समय एवं परिस्थितियों में बदलाव होता रहता है राजा रंक बन जाते है और रंक राजा बन जाते है। एक पल में सब बदल जाता है। अक्सर देखा गया है की लोग कमजोर व लाचार लोगों को दुःख देते हैं लेकिन गरीब लोग हर चीज सहन कर लेता है मगर समय बहुत बुरा होता है चेहरे याद रखता है और गिन गिन कर बदले लेता है। मुश्किल व मुसीबत में एक दूसरे के काम आना चाहिए सहयोग करना चाहिए। समाज एक दूसरे का पूरक है एक दूसरे के सूख दुःख में शामिल होना चाहिए। निस्वार्थ भाव व सच्ची भावना व मन से सबका साथ देना चाहिए। स्वार्थ की उम्र ज्यादा नहीं होती अवसान हो जाता है। अच्छे कर्म कीजिये ताकि समाज सदियों तक याद करे एक मिशाल बनो। समाज की रचना के लिए योगदान दीजिये। दुखों का निराकरण कीजिये। दुनिया में अमर कोई नहीं हुआ मौत का एक दिन मुकर्रर है। मौत एक अटल सच्चाई है। तन,मन,धन से समाज का हित कीजिये अहित मत कीजिये। बुजुर्गो का सम्मान कीजिये उनके पदचिन्हो पर चलिए बुजुर्ग समाज के स्तम्भ होते हैं समाज के दुखी व असहाय लोगों की सहायता कीजिये। छुट-पुट मतभेद भुला कर समाज की सरंचना करनी चाहिए स्वस्थ समाज होगा तो हर आदमी स्वस्थ होगा खुशनुमा वातावरण होगा तो समाज समृद्ध हो जायेगा। समाज एक परिवार होता है हर आदमी के साथ अच्छा व्यवहार कीजिये क्यूंकि समाज अच्छा होगा तो सुखद अनुभूति होती है। समाज प्रगति करता है समाज में फैली कुरीतियों को दूर करना चाहिए एकजुट होकर सबका साथ देना चाहिए। प्रेरणा मिलती है जीवन सफल हो जाता है आज रिश्ते सिमटते जा रहे हैं अमीरी ग़रीबी की खाई बढ़ती ही जा रही है इस खाई को पाटना होगा। गाँव से शहरों में पलायन हो रहा है गाँव के रिश्ते छूट रहे हैं लोग आधुनिक बनते जा रहे हैं लेकिन खून के रिश्ते पीढ़ियों तक जिन्दा रहते हैं रिश्तों की बेल अमर बेल होती हैं जो सदैव अमर रहती है। रिश्ते तोडना आसान नहीं होता तोड़ दिए तो जोड़ना भी कठिन होता है। रिश्तों की दरकती दीवारों को बचाना होगा ताकि युगों युगों तक रिश्ते निर्बाध रूप से चलते रहें। सब्र का फल मीठा होता है कभी किसी को दुखी मत कीजिये वक़्त के थपेड़ों से कोई नहीं बच पाता है अच्छा कीजिये बुरा मत कीजिये कर्म करते रहिये फल की इच्छा मत कीजिये। पाप करना छोड़ दीजिये पुण्य कीजिये परमार्थ कीजिये जीवन सार्थक हो जायेगा युगों युगों तक आदर्श बन जाओगे।

(लेखक- नरेंद्र भारती / ईएमएस)

सरकारी कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली कैबिनेट ने नई पेंशन स्कीम को मंजूरी दे दी

- 10 साल की नौकरी पर कम से कम 10 हजार रुपये की पेंशन

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत को पर्व त्योहारों का देश कहा जाता है। पर्व त्योहार की इस श्रृंखला में चुनाव पर्व का अपना महत्वपूर्ण स्थान है। अभी कुछ दिन पहले ही लोकसभा 24 का चुनाव सम्पन्न हुआ था। जिसमें भाजपा व एन डी ए गठबन्धन को आशा के अनुरूप सफलता नही मिली थी, हालाकि भाजपा व उनके गठबन्धन दलों के अलावे नीतीश व नायडु के दलो का समर्थन पा कर केन्द्र मे सरकार बनाने में सफल रही। तभी से केन्द्र की भाजपा सरकार अपनी प्रचड़ बहुमत नही मिलने के कारणों का पता लगाने व इस पर चिन्तन- मनन कर रही है। इस क्रमः में केन्द्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के पेंशन को लेकर विगत शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली कैबिनेट ने सरकारी कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) को मंजूरी दे दी है। अब पुरानी और नई की जगह यूनिफाइड पेंशन स्कीम शुरू की जाएगी। इसके मुताबिक कम से कम 25 साल की नौकरी के बाद बेसिक पेमेंट की 50 फीसदी रकम यु पी एस के तहत मिलेगी यानी यह रकम पेंशन के तौर पर दी जाएगी। वहीं 10 साल की नौकरी के बाद कम से कम 10 हजार रुपये पेंशन के तौर पर मिलेंगे। केन्द्र सरकार का मानना है कि इस नई पेंशन योजना से 23 लाख केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों को फायदा होगा। यह योजना 1अप्रैल 2025 से लागू होगी। हालाकि केंद्र सरकार के कर्मचारियों को नेशनल पेंशन सिस्टम(एनपीएस)और यूपीएस में से किसी एक योजना को चुनने का विकल्प दिया जाएगा। वही केंद्र सरकार के एनपीएस ग्राहकों को भी यूपीएस में स्विच करने का विकल्प दिया जाएगा। सर्वविदित रहे कि सरकार ने इस साल मार्च में तत्कालीन वित्त सचिव टी वी सोमनाथन की अध्यक्षता में एन पी एस में सुधार के लिए एक कमेटी बनाई थी। इस कमेटी ने देश और दुनिया की कई पेंशन स्कीमों की गहन अध्ययन की थी। इस घोषणा के बाद स्वंय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट कर सरकारी कर्मचारियों पर गर्व जताया। उन्होंने कहा किदेश की प्रगति के लिए कठिन परिश्रम करने वाले सभी सरकारी कर्मचारियों पर हमें गर्व है। यूनिफाइड पेंशन स्कीम (ळइए)इन कर्मचारियों की गरिमा और आर्थिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने वाली है। यह कदम उनके कल्याण और सुरक्षित भविष्य के लिए हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस योजना के लाभार्थी को कम से कम 25 साल तक नौकरी करने वाले को रिटायरमेंट से पहले पिछले12महीनों में प्राप्त औसत मूल वेतन का 50 फीसदी पेंशन के रूप में दिया जाएगा। इस पेंशन के हकदार वही कर्मचारी होंगे जो कम से कम10साल नौकरी करेंगे। 10 साल की नौकरी के बाद अगर कोई नौकरी छोड़ता है तो उसे कम से कम 10 हजार रुपये पेंशन के तौर पर मिलेंगे। सरकारी सेवा में कर्मचारी की अगर मृत्यु होने पर उसकी पेंशन की 60 फीसदी रकम परिवार को मिलेगी। रिटायर होने पर ग्रेच्युटी के अलावा एकमुश्त भुगतान व महंगाई इंडेक्सेशन का लाभ भी मिलेगा। इसके लिए कर्मचारियों को अंशदान करने की जरूरत नहीं होगी। सरकार अपनी तरफ से कर्मचारी की बैसिक सैलरी का 18.5 फीसदी वहन करेगी। हर छह महीने की सेवा के बदले मासिक वेतन(वेतन +डीए)का दसवां हिस्सा जुड़ कर रिटायरमेंट पर मिलेगा। अभी पेंशन के लिए कर्मचारियों को नेशनल पेंशन सिस्टम(झ्इए)में बेसिक सैलरी का 10 फीसदी हिस्सा सहयोग राशि देना होता है। इसमें सरकार अपनी ओर से 14 फीसदी हिस्सा सरकार अपनी ओर से देती है। वही नई पेशन योजना में इसके लिए कर्मचारी को कोई भी अंशदान नहीं देना होगा। सरकार अपनी तरफ से कर्मचारी की मुल वेतन का 18.5 फीसदी हिस्सा अंशदान करेगी।

आप को याद होगा कर्मचारियों की पेंशन का मुद्दा विगत लोकसभा चुनाव से हावी था। कर्मचारी पुरानी पेंशन(ध्इए)को बहाल करने की मांग कर रहे थे। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी पेंशन का मुद्दा उठाया था। कर्मचारी संगठनों ने ध्इए को बहाल करने को लेकर फरवरी में प्रधानमंत्री मोदी को एक पत्र लिख कर मांग की गई थी कि सरकार एन पी एस बंद करे और गारंटीकृत ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करे कर्मचारियों के संगठनों ने कहा था कि अगर उनकी मांग पूरी न की गई तो वे एक मई से हड़ताल करेंगे। हालांकि सरकार से बातचीत और आश्वासन मिलने के बाद हड़ताल को टाल दिया गया था। यूनिफाइड पेंशन स्कीम की घोषणा होने पर सरकारी कर्मचारियों एक खेमें की ओर से यूनिफाइड पेंशन स्कीम लागू करने के लिए मोदी सरकार की तारीफ की गई है। आप के मन में जिज्ञासा होगी कि आखिरकार यूनिफाइड पेंशन स्कीम क्या है,तो आयें आसान भाषा में जानने की कोशिस करते है। इस नई पेशन भेजना अर्थात यूनिफाइड पेंशन स्कीम में कर्मचारी को कम से कम 10 वर्ष की सेवा देने के बाद रिटायरमेंट पर10 हजार रुपये हर महीने की बात की गई है। न्यूज एजेंसी पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार,सरकारी कर्मचारियों ने केंद्र सरकार द्वारा उन्हें सुनिश्चित पेंशन देने के फैसले के मोदी सरकार की तारीफ की। ऐजेन्सी की रिपोर्ट के अनुसार सरकारी कर्मचारी संगठनों के संयुक्त द्व्ह—छ्ळ्ङ%ल्द् सलाहकार मशीनरी के सचिव शिव गोपाल मिश्रा ने बताया कि उन्हें प्रधान मंत्री द्वारा आमंत्रित किया गया था। उन्होंने कहा कि पहली बार जे सी एम को प्रधानमंत्री द्वारा आमंत्रित किया गया था। यह 32 लाख सरकारी कर्मचारियों के लिए यह बहुत गर्व का पल था। सरकारी श्रोतो से मिली जानकारी के अनुसार,यूनिफाइड पेंशन स्कीम में सुनिश्चित पेंशन की व्यवस्था की गई है। इसके तहत कम से कम 25 साल की सेवा के लिए रिटायरमेंट से पहले के अंतिम 12महीनों में मिली बेसिक सैलरी के औसत के 50इ की व्यवस्था की गई है। कम से कम 10 साल तक की सर्विस के लिए यह आनुपातिक होगा। इस योजना के तहत सरकारी कर्मचारी के निधन से ठीक पहले उसकी पेंशन के 60 प्रतिशत की व्यवस्था की गई है।

यूनिफाइड पेंशन स्कीम में महंगाई सूचकांक की भी बात की गई है। इसके तहत सुनिश्चित पेंशन पर, सुनिश्चित पारिवारिक पेंशन पर और सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन पर-सर्विस इम्पलॉइज के केस में ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स फॉर इंडस्ट्रियल वर्कर्स पर बेस्ड महंगाई राहत की व्यवस्था की गई है। कर्मचारी के रिटायरमेंट की तारीख पर मासिक परिलब्धियों(वेतन+डीए) का1/10वां हिस्सा-सर्विस के हर पूर्ण छह महीने के लिए इस भुगतान से सुनिश्चित पेंशन की मात्रा कम नहीं होगी। कैबिनेट सेक्रेटरी डेजिग्नेट सोमनाथन के अनुसर नई योजना1अप्रैल 2025 से लागू होगी। उन्होंने कहा कि यूनिफाइड पेंशन स्कीम के फायदे उन सभी पर लागू होंगे जो रिटायर्ड हो चुके हैं और एन पी एस के तहत 31मार्च 2025 सेवा निवृत हो रहे हैं। वे सभी बकाया राशि के पात्र होंगे। वही दूसरी तरफ यूनिफाइड पेंशन स्कीम की घोषणा होने के बाद यूनिफाइड पेंशन स्कीम का विरोध भी होने लगी है। विपक्षी दलों व कर्मचारी संगठन के नेताओं का कहना है कि अगर यह यूनिफाइड पेंशन स्कीम इतनी अच्छी है वे इनकी तारीफ करते हुए थक नही रहे है तो सांसदों व विधायकों के लिए भी यूनिफाइड पेंशन स्कीम क्यू नही लागु कर रहें है। यू नई पेंशन योजना पर सी पी आई ने कहा कि सरकारी की नई पेशन स्कीम ये नई बोतल में पुरानी शराब है। पी एस सरकारी कर्मचारियों के लिए लॉली पॉप के अलावे कुछ भी नही है। वही कुछ श्रम संगठन के युनियनों का कहना है सरकार को नई पेशन योजना लागु करने से पहले कर्मचारी ट्रेड यूनियन से सम्पर्क व संवाद कर कुछ संसोधन की आवश्यकता है।(यूपीएस) को मंजूरी

(लेखक- विनोद कुमार सिंह/ ईएमएस)

विमुक्त जातियों के लिए 31 अगस्त है आजादी का पर्व

विमुक्त जनजातियों के लगभग 15 करोड़ लोग प्रत्येक वर्ष 31 अगस्त को अपना आजादी का पर्व बड़े उल्लास के साथ मनाते हैं, यह परंपरा 31 अगस्त 1952 से शुरू हुई जऑकि लगातार जारी। ये वे समुदाय है जिन्हे ब्रिटिश हुकूमत ने क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट 1871 के तहत जन्मजात अपराधी घोषित किया था। यूर्ती आरतवर्ष 15 अगस्त 1947 को आजाद हो गया था किंतु इन विद्रोही समुदायों को वास्तविक आजादी 31 अगस्त 1952 को मिली, जब इन्हें तत्कालीन गृहमंत्री सरदार बल्लम माई पटेल के प्रयास से भारत सरकार ने ब्रिटिश कालीन कुख्यात क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट समाप्त कर दिया था। सरकारी दस्तावेजों में ती इन समुदायों की क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट से मुक्ति मिल गई और इन्हें हैनोटिफाइड क्रिमिनल ट्राइब के बजाए डिनोटिफाइड ट्राइब्स या विमुक्त जनजातियों कहा जाने लगा है। किंतु जमीनी सच्चाई यह है कि भारत के इन असल स्वतंत्र योद्धाओं के वंशर्जी की हालत आजाद आरत में बद से बदतर हुई है। न केवल उनके विकास के मार्ग अवरुद्ध किये गये बल्कि इन विद्रोही समुदायों के हौसले भी पस्त कर दिये गये हैं। विशेषकर उत्तर प्रदेश राज्य जहां पर ब्रिटिश हकूमत के खिलाफ विद्रोह की शुरुआत सबसे पहले हुई और सर्वाधिक आबादी इन समुदायों दायों की है वहां पर यह लोगे अपनी मूलभूत पहचान अर्थात विमक्त जाति के पैमाण पत्र देने की सरकार से दशकों से गुहार लगा रहे हैं। यहां तक की गवर्नर हाउस से अनेकों बार सूबे की सरकार को इस संबंध में पत्र लिखे गए और शासन के उच्च अधिकारियों एवं खुद मुख्यमंत्री महोदय से इस संबंध में प्रत्यक्ष अनुरोध किया गया लेकिन सरकार के कान में जूं तक नहीं रेंगी। इनके हिस्से की नौकरियों शिक्षण संस्थाओं में इनके लिए निधर्धारित सीटी योजनाओं एवं बजट को बड़ी ही युक्ति पूर्वक अन्य सक्षम वर्गों को हस्तांतरित किये जाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है आरक्षण-अक्षण के दौर में विमुक्त जातियों के अधिकारों के हमम का कर खेल निरंतर जारी है।

ब्रिटिश सरकार के खिलाफ लगातार बगावत करने और जाजादी के बाद राज्य सरकारी की घौर उपेक्षा के कारण यह समुदाय हाशिए पर आ चुके हैं यह सर्वाधिक रूप से पिछड़े हुए लोग हैं। 1960 के दशक से विमुक्त समुदायों को मुख्यधारा में जाने हेतु इनके बच्चा शिक्षा देने के लिए आश्रम पद्धति विद्यालय खोले गए थे उत्तर प्रदेश में श्री क्षेत्र आश्रम पद्धति विद्यालय खोले गए किंतु उनके बच्चों को नियमित रूप से कभी भी हर एक जिले में विमुक्त जाति के प्रमाण पत्र जारी नहीं किए गए जिससे वे शिक्षा के के मूलभूत अधिकार से लगातार बंचित रहे। हालांकि अधिकांश विमुक्त जातियां अनुसूचित जाति या ओबीसी में शामिल कर ली गई और यहीं से शुरू हुआ इसके शोषण का असली खेल। अनुसूचित जाति एवं ओबीसी में शामिल करने से यह समुदाय केवल उनकी संख्या में वृद्धि करने में सहायक हुई तदनुसार उनके कोटे में भी वृद्धधि हुई जबकि विकास कार्य हेतु आवंटित किए गए बजट में किंतु इनके हिस्से में कुछ भी नहीं आया। प्रदेश सरकार के अधिकारियों की नासमझी का आलम यह रहा की कभी इन जातियों के विमुक्त जाति की सूची में जोड़ा गया तो कभी हटाया गया। वर्ष 1962 में बिना किसी जिलेवार प्रतिबंध के 29 स्थिर वासी विमुक्त जातियों की तथा 25 घुमंजू विमुक्त जातियों की सूची जारी की गई किंतु विमुक्त जाति प्रमाण पत्र जारी करने में इन जातियों पर ब्रिटिश शासन कालीन जिलेवार प्रतिबंध लगा दिया गया। फिलहाल विमुक्त जातियां अपनी मौलिक पहचान विमुक्त जनजाति (यानी ब्रिटिश विद्रोही सर समुदाय) बनाए रखना चाहती है। विमुक्त जनजाति (डिनोटिफाइड ट्राई ही इन के लिए गौरवमयी पहचान है।

आपराधिक जनजाति अधिनियमः अंग्रेजों ने जब भारत भूमि पर अपने पैर जमाना शुरू किए तो यहां की जल, जंगल और जमीन की मातिकान जातियों ने अपने-अपने इलाकों में हथियारबंद विद्रोह शुरू कर दिये थे। फिर उत्तर भारत में सबसे बड़ी रक्त स रंजित क्रांति 1857 में घटित हुई, जिसमें करोड़ों लोगों क जान गवानी पड़ी थी। ऐसी स्थिति में भारत में अपना शासन कायम रखने के उद्देश्य से ब्रिटेन की रानी विक्टोरिया ने उदारता का परिचय देते हुए ईस्ट इंडिया कंपनी से भारत का शासन स्वयं अपने हाथ में ले लिया था और उन तमाम विद्रोहियों को आम माफी की दे दी थी जिन्होंने तहे दिल से क्षमा याचना कर ली थी किंतु भारत के कुछ जनसमुदाय ऐसे थे जिन्होंने अपने जीवन मूल्यों के अनुसार नतो रानी से माफी मांगी थी और न ही सरेंडर किया था बौक से तंग आकर अपने इन कट्टर दुश्मन समुदायों समुदायों पर पर क्रिमिनल इ एक्ट लगाया गया। को नियंत्रित करने एवं दंडित करने के लिए सन 1871 से इ

बेशक भारत को आजादी 15 अगस्त 1947 को प्राप्त हो गई थी, किंतु अंग्रेजों द्वारा जन्मजात अपराधी धोषित समुदायों पर ब्रिटिश सरकार दवारा थोपा गया क्रिमिनल टयाम्स एक्ट, 31 अगस्त 1962 तक जारी रहा तात्पर्य है है की विद्रोही समुदायों को आजादी भारत के के 5 वर्ष 16 दिन बाद। ही मिल सकी वह श्री केवल कागजातों में। सामाजिक व्यवहार एवं सरकारी नौकरशाह इनके साथ अभी भी जन्मजात अपराधियों जैसा व्यवहार करते हैं। क्रिमिनल ट्राइब्या एक्ट की समाप्ति के बाद विद्रोही समूदायों को विमुक्त जाति कहा जाने लगा। क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट केंद्रीय कुख्यात कानून था लेकिन इस एक्ट की समाप्ति के पश्चात भारत सरकार ने विमुक्त जातियों की पहचान एवं उन को मुख्यधारा में लाने का दायित्व राज्य सरकारों को सौंप दिया। हालांकि इनके विकास के लिए तत्कालीन योजना आयोग ने पर्याप्त धनराशि भी राज्य सरकारों को दी थी।

सर्वाधिक लंबे समय तक क्रिमिनल ट्राईब्स एक्ट की यातनाएं उत्तर प्रदेश की विमुक्त जातियों ने झेली। दुर्भाग्य से आजाद भारत में इन समुदायों के अत्थान की बात तो दूर यह अपनी मूलभूत पहचान के संकट से गुजरने को मजबूर हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने 1961 1 मैं एक शासनादेश जारी किया था। इस शासनादेश में स्पष्ट किया गया था कि ब्रिटिश हुकूमत के काले कानून (क्रिमिनल ट्राईब्स एक्ट) की समाप्ति के बाद अब सभी विमुक्त जातियां, बिना किसी प्रतिबंध के देश के सामान्य नागरिक है। सरकारी कागजात में इन समुदायों के के ऊपर से जन्मजात आपराधिक जनजाति होने का विधिक कलंक हट गया है किंतु तथाकथित सभ्य समाज और पुलिस उन्हें अपराधी नजरिये से देखते हैं। आये दिन निर्दोष लोगों को उत्पीड़ित किया जाता है। अपराध कोई भी करे पुलिश सांसी, कंजर, नट, कपबंदिया, पारधी, बावरिया, बधिक, भांतु, हा पथरकट, लोधा, गूजर, मल्लाह, खटिक, पासी, राजभर, मेवाती आदि कलंकित विमुक्त जातियों के युवाओं को जेल में ठूंस देती है।

शिक्षा के अधिकार से वंचना उत्तर प्रदेश में सन 2007 तक अनुसूचित जाति, विमुक्त जाति, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचि अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिये शिक्षण संस्थाओं प्रशिक्षण संस्थानौ, प्राविधिक संस्थानों एवं उक्त विषयक कोचिंग संस्थानों में प्रवेश दिये जाने का प्रावधान था। किंतु 2008 से तत्कालीन प्रदेश सरकार ने विमुक्त जातियों के लिये किये गये महत्व पूर्ण प्रावधानी को समाप्त कर दिया था।

वास्तविक स्वातंत्र्य यौद्धा और संस्कृति के रक्षकः विमुक्त जातियां न केवल वास्तविक स्वातंत्र्य यौदद्याजी के वंशज है बल्कि ये हिंदू संस्कृति के रक्षक भी रहे हैं। जो खिलजी, मुगली गली और अंग्रेजों से लोहा लेने के कारण मुख्यधारा से दूर हो गये थे। वे समुदाय तमाम बदहाली की जिंदगी जीते हुए भी हिंदुत्व की रक्षा, राष्ट्र का सम्मान और अपने इतिहास के अनुसार राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को प्रगाढ़ रखना चाहते है। उत्तर प्रदेश में कुस आबादी का 26इ बोट बैंक जाज उस सरकार की तरफ निहार रहा है जो उनको सरदार बल्लभ भाई पटेल द्वारा दिए गए मूलभूत संवैधानिक अधिकारी की वापसी करा सकै तत्काल प्रभाव से इन विमुक्त घुमंतु जातियों को अलग श्रेणी बनाकर 1994 के पूर्व की भांति हमें शिक्षा का अधिकार दिला सके।

विमुक्त जनजातियां एक विशिष्ट वर्गः समाज विज्ञानियों एवं कतिपय उच्च न्यायालयों के निर्णय के अनुसार विमुक्त जनजातियां एक विशिष्ट वर्ग है जो अत्यंत पिछड़े होने के कारण किसी अन्य आरक्षण श्रेणी के अभ्यर्थियों के साथ मिलाए जाने पर उनका मुक्तवला नहीं कर सकते। राष्ट्रीय विमुक्त घुमंतु एवं आध घुमंतू जनजाति आयोग (इदाते आयोग- 2018) में बहुत ही सारगर्भित सिफारिश की है कि विमुक्त एवं घुमंतु जनजातियों को जो एससी एसटी या ओबीसी में सम्मिलित कर जी गई है, उनके लिए उनकी आबादी के अनुपात में इन कोड़ा की उप वर्गीकृत कर दिया जाय। सुप्रीम कोर्ट का हालिया निर्णय श्री कोटा के अंदर कोटा के पक्ष में है। जिसका विरोध इन आरक्षित वर्गों की कीमी लेयर हो चुकी जातियां विरोध कर रही है। जबकि विमुक्त एवं घुमंतू जनजातियां इस निर्णय का पुरजोर स्वागत और समर्थन करती हैं, किंतु ये सब भूषा समुदाय है, जो अपने हक की मांग भी करें तो उनकी आवाज को दबा दिया जाता है। बहरहाल जब तक विमुक्त एवं घुमंतू जनजातियों के लिए पत्येक उपआरक्षण श्रेणी नहीं बनाई जाएगी तब तक आरक्षण-शक्षण का शिलसिला बदलते दूर दूर जारी रहेगा। (लेखक- डॉ. बीके लोधी/ ईएमएस) (पूर्व उपसचिव एवं निदेशक (शोध), राष्ट्रीय विमुक्त, घुमंतू डॉ बीके लोधी, डीएनटी एक्टीविस्ट एवं अर्दच घुमंतू जनजातिय आयोग, आरत सरकार। पूर्व सीनियर फैलो आईसीएसएसआर, भारत सरकार।)

शब्द पहेली - 8114

बाएँ से दाएँ

1. अपनत्व, अपनाव-5
4. खाने लायक तैयार होना-3
6. गोंद, लाख-2
7. पति, शौहर-3
8. जंगल, अरण्य-3
10. उत्साह, ललक-2
11. प्रलय, आफत-3
12. ईश्वर, रब-4
15. वट वृक्ष-4
16. निर्माण(उर्दू-3)
17. धोखा, कपट-2
18. दृष्टि, निगाह-3
20. स्वदेश, मातृभूमि-3
22. एक पैसा-2
23. विजय, जीत-3
24. आत्मबलिदानी, साहसी-5

ऊपर से नीचे

1. उपद्रव की स्थिति, अशांति-5
2. लम्हा, क्षण-2
3. गिरावट, अवनति-3
4. मवाद-2
5. मरियल, दुर्बल-4
8. असरदार, प्रभावी-4
9. नाक छेदना-2,3
13. विदिर्ण, छिन्न भिन्न होना-4
14. मांग, अनुरोध-5
15. बलवा, गदर-4
19. विष, गरल-3
21. अस्तर, स्तर-2
22. देवदास की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8113 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

पेरिस पैरालंपिक : भारत की अवनि ने स्वर्ण जीता

पेरिस (ईएमएस)। भारत की अवनि लेखरा ने पेरिस पैरालंपिक खेलों में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल (एसएच1) स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। इसी के साथ ही भारत ने अपना पहला स्वर्ण जीता। वहीं भारत की ही मोना अग्रवाल को कांस्य पदक मिला है। अवनि पैरालंपिक खेलों में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। उन्होंने पिछले टोक्यो पैरालंपिक खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता था।

अवनि ने पेरिस में शानदार 249.7 अंक हासिल किये जबकि टोक्यो में उन्हें 249.6 अंक मिले थे। इस प्रकार उन्होंने अपने ही पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। वहीं भारत की ही दूसरी निशानेबाज मोना ने 228.7 अंक हासिल कर कांस्य पदक अपने नाम किया।

अवनी ने क्वालीफिकेशन में दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनायी थी। इसके अलावा भारत की ही मोना अग्रवाल भी महिला वर्ग में पांचवें स्थान पर रही। इसप्रकार मोना ने भी आठ निशानेबाजों के फाइनल के लिए क्वालीफाई का लिया है। अवनी ने 625.8 का स्कोर किया और वह इरिना शचेतनिक से पीछे रहीं। वहीं इरिना ने 627.5 के स्कोर के साथ पैरालंपिक क्वालिफिकेशन दौर में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। वहीं पहली बार पैरालंपिक में खेल रहीं मोना ने 623.1 का स्कोर बनाया।

आईसीसी चेयरमैन बने शाह भारत-पाक में सीरीज शुरु करायें : यूनिस

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर यूनिस खान ने कहा है आईसीसी के नये चेयरमैन बने जय शाह को खेल भावना दिखाते हुए भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर द्विपक्षीय क्रिकेट शुरु करने पर ध्यान देना चाहिये। यूनिस का मानना है कि शाह के पास चेयरमैन बनने के बाद काफी अधिकार है और वह एक बार फिर दोनो देशों के बीच क्रिकेट संबंध जोड़ सकते हैं। यूनिस को उम्मीद है कि शाह के चेयरमैन बनने से अब भारतीय टीम के आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान न जाने के रवैये में भी बदलाव आयेगा।

यूनिस को उम्मीद है कि शाह पाकिस्तान में टूर्नामेंट में भारत की भागीदारी को पक्की करने में सहायता करेंगे। उन्हें आईसीसी का नया प्रमुख बनाए जाने से क्रिकेट का और विकास होना चाहिये। साथ ही कहा कि अगर वह हस्तक्षेप करें तो भारतीय टीम पाकिस्तान में खेल सकती है। ऐसे में पाक टीम भी भारत का दौरा कर सकेगी। दोनो ही देशों के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट श्रृंखला के लिए भारत ने अंतिम बार 2005-06 में पाक का दौरा किया था। उसके बाद से ही दोनों टीमें केवल आईसीसी टूर्नामेंट और एशिया कप में ही खेलती हैं। 2008 एशिया कप में भारत ने आखिरी बार पाकिस्तान का दौरा किया था।

धवन लीजेंड्स क्रिकेट लीग में गुजरात से खेलेंगे

मुम्बई (ईएमएस)। हाल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल से संन्यास लेने वाले सलामी बल्लेबाज शिखर धवन अगले माह होने वाली लीजेंड्स क्रिकेट लीग में गुजरात की ओर से खेलेंगे। इस लीग के लिए गुजरात टीम के पास सलामी बल्लेबाज के तौर पर क्रिस गेल हैं। ऐसे में इस लीग में धवन और गेल का तूफान देखने को मिलेगा।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट के तीसरे सीजन के लिए दिल्ली में नीलामी हुई थी। इसमें ब्रेट ली, आरोन फिंच और तिलकरत्ने दिलशान जैसे सितारे भी नहीं बिके थे। प्रशंसकों को उम्मीद थी कि नीलामी के दौरान धवन पर बड़ी बोली लगेगी पर उनका नाम सूची में नहीं आया। तभी पता चला कि गुजरात टीम ने धवन से सीधे करार कर लिया है। गुजरात टीम ने धवन के अलावा लेंडल सिमंस को भी रखा है।सिमंस को नीलामी में 37.56 लाख में खरीदा गया है।

गुजरात दल - शिखर धवन, क्रिस गेल, लियाम प्लंकेट, मोर्ने वान विक, लेंडल सिमंस, असगर अफगान, जेरोम टेलर, पारस खडका, सीकुगे प्रसन्ना, कमाउ लेवरॉक, साइब्रांड एंगेलब्रेक्ट, मोहम्मद कैफ, एस श्रीसंत।

लीजेंड्स लीग में सबसे महंगे खिलाड़ी के तौर पर इसुरु उदाना बिके हैं। उन्हें अर्बनाइजर्स हैदराबाद ने 61.97 लाख में खरीदा। वहीं चैडविक वाल्टन को भी अर्बनाइजर्स हैदराबाद ने 60.36 लाख में लिया जबकि डैन क्रिश्चियन को मणिपाल टाइगर्स ने 56 लाख में खरीदा है।

बता दें कि शिखर धवन के अलावा दिनेश कार्तिक भी इस बार लीजेंड्स लीग क्रिकेट 2024 में खेलते हुए नजर आएंगे। उन्होंने जून में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था। कार्तिक ऍ20 के आगामी सीजन में पार्ल रॉयल्स द्वारा साइन किए गए हैं। कार्तिक को साउथर्न सुपरस्टार्स ने साइन किया है।

अल्काराज अमेरिकी ओपन से बाहर , डच खिलाड़ी वान ने हराया

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। स्पेन के टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज अमेरिकी ओपन टेनिस में हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी अल्काराज को अमेरिकी ओपन के दूसरे दौर में नीदरलैंड के खिलाड़ी बोटिक वान डी जैंडस्कूल्प ने 6-1, 7-5, 6-4 से हराया। ये विंबलडन 2021 के बाद से ही अल्काराज की किसी बड़े टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहली हार है। इस स्पेनिश खिलाड़ी ने डच खिलाड़ी के खिलाफ मुकाबले में 27 अप्रत्याशित गलतियाँ कीं।

वान डी ने अल्काराज की सर्विस पर अपने पहले ब्रेक अंक का फायदा उठाया, ब्रेक को मजबूत किया और तेजी से 4-1 की बढ़त ले ली। इसके बाद डच खिलाड़ी ने अपना धैर्य बनाए रखा और पहला सेट 6-1 से जीत लिया। अल्काराज ने दूसरे सेट की शुरुआत करने के लिए अपनी सर्विस बरकरार रखी। डच खिलाड़ी इस बार भी करारा जवाब दिया। । स्पेनिश खिलाड़ी ने 12 अप्रत्याशित गलतियां कीं।

अल्काराज ने किसी प्रकार दूसरे सेट को 2-2 से बराबरी पर लाया। इसके बाद डच खिलाड़ी ने प्रभावी प्रदर्शन करते हुए दूसरा सेट 7-5 से जीत लिया। दो सेट से पिछड़ने के बाद अल्काराज ने सर्विस गंवा दी और तीसरे सेट में 3-2 से पिछड़ गए।

पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारत की शीतल ने बनाया नया विश्व रिकार्ड

पेरिस (ईएमएस)। भारत की 16 साल की तीरंदाज शीतल देवी ने पेरिस पैरालंपिक में एक नया रिकार्ड बनाया है। शीतल ने तीरंदाजी के क्वालिफिकेशन राउंड में 703 अंक हासिल किये। ये इन खेलों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। शीतल ने पहले दौर में 59, 59, 58, 56, 59, 57 का स्कोर किया जबकि दूसरे में उन्होंने 60, 57, 60, 59, 60, 59 का स्कोर किया। अब शीतल का लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना रहेगा। शीतल ने महिला व्यक्तिगत कंपाउंड आर्चरी के क्वालीफिकेशन में 720 में से 703 अंक हासिल किये। इसके साथ ही वह 698 अंक के अपने पिछले विश्व रिकॉर्ड से आगे निकल गयी हैं।

शीतल ओवरऑल रैंकिंग राउंड में दूसरे स्थान पर रहीं। उन्हें अगले दौर में बाई मिली है और अब वह 31 अगस्त को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उतरेंगी। इस इवेंट में भारत की सरिता ने 682 का स्कोर किया और उसे 9 वां स्थान मिला।

भारत ने पेरिस पैरालंपिक में 84 खिलाड़ियों का सबसे बड़ा दल भेजा है। शीतल के अलावा बैडमिंटन में 8 भारतीय खिलाड़ी जीते हैं। निशानेबाज सुहास यथिराज (एसएल4), सुकांत कदम (एसएल4), तरुण (एसएल4), नितेश कुमार (एसएल 3), पलक कोहली (एसएल 4), तुलसीमति मुरूगेसन (एसयू 5), मनीषा रामदास (एसयू 5) और नित्या श्री सुमति सिवान (एसएच 6) ने पहले दौर के अपने-अपने मैच जीत लिए हैं।

तेज गेंदबाज बरिंदर ने संन्यास लिया

मुम्बई (ईएमएस)। पिछले आठ साल से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज बरिंदर सरन ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। बरिंदर ने अपने करियर में 6 एकदिवसीय और 2 टी20 अंतराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इस गेंदबाज ने सोशल मीडिया पर अपने संन्यास के फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि यह संन्सास लेने का सही समय है। बरिंदर ने साल 2015-16 में पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने के के बाद अंतिम बार साल 2016 में भारत के लिए जिम्बाब्वे दौरे पर दो टी20 अंतराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे।

बरिंदर ने लिखा, मैं आधिकारिक तौर पर क्रिकेट से संन्यास ले रहा हूं। मैं अपने क्रिकेट सफर से संतुष्ट हूं। इस खेल ने मुझे काफी अच्छे अनुभव दिए। तेज गेंदबाजी मेरे लिए भाग्यशाली बन गई। इससे मुझे आईपीएल में भी अवसर मिले।इसी कारण मुझे भारतीय टीम में भी जगह मिली।' साथ ही कहा कि मेरा अंतरराष्ट्रीय करियर छोटा था पर इसकी यादे हमेशा ही मेरे दिल में रहेंगी। मैं हमेशा भगवान का आभारी रहूंगा कि उन्होंने मुझे सही कोच और प्रबंधन दिया जिससे मेरा सफर अच्छा रहा। '

बरिंदर ने छह वनडे इंटरनेशनल मैचों में सात विकेट जबकि दो टी20 अंतराष्ट्रीय में छह विकेट लिए हैं। बरिंदर ने आईपीएल में मुंबई इंडियन्स, किंग्स इलेवन पंजाब, राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेला है। साल 2015 से 2019 के बीच इस गेंदबाज ने 24 मैच में 18 विकेट लिए।. उन्होंने अपना आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच 2020-21 विजय हजारे ट्रॉफी में पंजाब की ओर से मध्य प्रदेश के खिलाफ खेला था।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद हुआ

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 231.16 अंक करीब 0.28 फीसदी की बढ़त के साथ ही 82,365.77 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 83.95 अंक करीब 0.33 फीसदी ऊपर आकर 25,235.90 के स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 शेयर जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में से 41 शेयर बढ़त पर बंद हुए।

जानकारों का मानना है कि दुनिया भर के मार्केट इस समय सितंबर में अमेरिकी फेड की तरफ से ब्याज दरों में कमी का की राह देख रहे हैं। अमेरिकी और भारतीय बाजारों में ये बढ़त निवेशकों के सकारात्मक रुख को दिखा रही है।

आज कारोबार के दौरानर

शेयर बाजार में फार्मा कंपनी सिप्ला के शेयरों में तेजी रही। सिप्ला के शेयर आज 2.23 फीसदी की बढ़त के साथ ही 1654.6 के स्तर पर बंद हुए। इसके अलावा, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडडम), डीविज लैब और एनटीपीसी के शेयर भी बढ़े। इसी प्रका बीएसई पर बजाज फाइनेंस उछला। इसके अलावा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व और भारती एयरटेल के शेयर भी ऊपर आये।

वहीं टाटा मोटर्स के शेयरों में 1.13 फीसदी की सबसे ज्यादा गिरावट रही। ऑटो कंपनी के शेयर आज नीचे आये। इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, कोल इंडिया और रिलायंस के शेयर भी गिरे। टाटा मोटर्स, रिलायंस, टेक महिंद्रा, आईटीसी, एचडीएफसी बैंक, नेस्ले, मारुति सुजूकी और टाटा स्टील के शेयरों में भी गिरावट रही।

वहीं सेक्टोरल इंडेक्स की बात की जाए तो इस बार निफ्टी आईटी 0.46 फीसदी और फार्मा 1.48 फीसदी बढ़त के साथ रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। इस बीच, बैंक निफ्टी, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी ऑटो इंडेक्स लगातार दूसरे सेशन में आगे बढ़े। वहीं व्यापक बाजार की बात करें तो निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में 2 सेशन की गिरावट बंद हुई। निफ्टी मिडकैप 100 0.68 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.48 फीसदी की बढ़त रही।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स 324.46 अंक की बढ़त के साथ 82,459.07 पर खुला, जबकि निफ्टी 50, 89.30 अंक की बढ़त के साथ 25,241.25 पर खुला। अमेरिका में मजबूत जीडीपी आंकड़े जारी होने के बाद मंदी की आशंकाओं के कारण घबराए हुए निवेशकों ने राहत की सांस ली है। एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की 225 मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था, जबकि टॉपिक्स डेटा जारी होने के बाद 0.23 फीसदी ऊपर था। दक्षिण कोरिया का कोस्पी शुरुआती ट्रेड में 0.55 फीसदी बढ़ा, जबकि स्मॉलकैप कोस्डाक 0.74 फीसदी बढ़त पर था। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.46 फीसदी चढ़ा, जबकि हांगकांग हैंग सेंग इंडेक्स फ्यूचर्स 17,741 पर थे, जो एचएसआई के पिछले बंद स्तर 17,786.32 से कम था।

सोने के भाव 72 हजार से नीचे लुढ़के, चांदी भी हुई सस्ती

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के सराफा बाजारों में सोने-चांदी के वायदा भाव में शुक्रवार को नरमी देखने को मिल रही है। सोने के भाव 72 हजार से नीचे ?गिर गया है तो चांदी में भी ?गिरावट देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव शुक्रवार को गिरावट के साथ खुले। इस समय सोने के वायदा भाव 71,900 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 84,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में गिरावट देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 288 रुपये की गिरावट के साथ 71,900 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 279 रुपये की गिरावट के साथ 71,909 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 344 रुपये की गिरावट के साथ 84,528 रुपये पर खुला। इस समय यह 342 रुपये की नरमी के साथ 84,530 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में आज सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,553.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,560.30 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 10.90 डॉलर की गिरावट के साथ 2,549.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.84 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.98 डॉलर था। इस समय यह 0.16 डॉलर की गिरावट के साथ 29.82 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ, जबकि चांदी के वायदा भाव सुस्त शुरुआत के बाद चढ़ गए। कॉमेक्स पर सोना 2,539.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,537.80 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 11.40 डॉलर की तेजी के साथ 2,549.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.11 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.20 डॉलर था। इस समय यह 0.23 डॉलर की तेजी के साथ 29.43 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

मूडीज ने भारत की जीडीपी विकास दर 7.2 प्रतिशत की

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिकी रेटिंग एजेंसी मूडीज की ओर से 2024 के लिए भारत की जीडीपी विकास दर अनुमान को बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत किया है, जो कि पहले 6.8 प्रतिशत था। विकास दर अनुमान में बढ़ोतरी की वजह देश में निजी खपत का तेजी से बढ़ना है। मूडीज ने कहा, देश में महंगाई में कमी आने से पारिवारिक खपत में बढ़ोतरी हो रही है। सामान्य से अच्छा मानसून रहने के कारण अच्छी फसल होने की उम्मीद है, इसकारण ग्रामीण मांग वापस लौट रही है। इस अनुमान में माना है कि आगे मजबूत वृद्धि दर देखने को मिलेगी। मूडीज का यह अनुमान आरबीआई के अनुमान के बराबर है। केंद्रीय बैंक आरबीआई के अनुमान के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है।

इसका कारण देश में ग्रामीण और शहरी मांग में बढ़ोतरी होना है। आरबीआई की ओर से वृद्धि दर अनुमान के दौरान बताया गया था कि देश में मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है। इससे कृषि क्षेत्र में मजबूत ग्रोथ देखने को मिल सकती है। मूडीज द्वारा 2025 के लिए विकास दर अनुमान को भी 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया गया है। मौजूदा माहौल में देश आराम से 6 से 7 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर हासिल कर सकता है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारत की आर्थिक स्थिति पिछले कुछ वर्षों में काफी मजबूत हुई है। इसकी वजह चालू खाते घाटे को कम करना है। मूडीज का मानना है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की गति आने वाले समय में धीमी हो सकती है।

चेन्नई में बनेगा 10जी-100जी नेटवर्क टेस्टबेड

चैन्नई (ईएमएस)। नोकिया और तमिलनाडु सरकार के बीच चेन्नई में विश्व का सबसे बड़ा फिक्स्ड नेटवर्क टेस्टबेड स्थापित करने का समझौता किया जाएगा। यह टेस्टबेड अल्ट्रा-हाई-स्पीड इंटरनेट एक्सेस और तेज बैंडविड्थ के क्षेत्र में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देगा। शुक्रवार को मल्टीनेशनल टेलीकॉम कंपनी नोकिया एक समझौते पर हस्ताक्षर करेंगी। यह टेस्टबेड नोकिया की 10 गीगाबिट , 25जी, 50जी, और 100जी पैसिव ऑप्टिकल नेटवर्क्स में तकनीकी नवाचारों का नेतृत्व करेगा। करीब 450 करोड़ रुपए के निवेश से यह केंद्र स्थापित किया जाएगा और नोकिया की प्रमुख अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाओं में से एक बनेगा। यह फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस, मल्टी-ड्वेलिंग यूनिट सॉल्यूशंस, एक्सेस नेटवर्क्स और होम कंट्रोलर्स पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। समझौते पर हस्ताक्षर सैन फ्रांसिस्को में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की उपस्थिति में किए जाएंगे, जो अमेरिका की 17 दिवसीय यात्रा पर हैं।

एथनॉल उत्पादन में गन्ना रस, चीनी सिरप का कर सकेंगे उपयोग

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने एथनॉल उत्पादन मे गन्ना रस और चीनी ?सिरप ?मिलाने की अनुम?ति दे दी है। सरकार ने दिसंबर 2023 में घरेलू खपत के लिए पर्याप्त चीनी की उपलब्धता सुनिश्चित करने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए ईएसवाई 2023-24 (दिसंबर-नवंबर) में एथनॉल उत्पादन के लिए गन्ना रस या चीनी सिरप के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया था। खाद्य मंत्रालय के आदेश में कहा गया है ?कि चीनी मिलों और डिस्टिलरी को ओएमसी (तेल विपणन कंपनियों) के साथ समझौते एवं आवंटन के अनुसार ईएसवाई 2024-25 के लिए गन्ना शीरा या चीनी सिरप, बी-हैवी शीरा के साथ-साथ सी-हैवी शीरा से एथनॉल का उत्पादन करने की अनुमति है। खाद्य मंत्रालय और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय समय-समय पर देश में चीनी उत्पादन के साथ-साथ एथनॉल उत्पादन के लिए चीनी के उपयोग की समीक्षा करेंगे, ताकि घरेलू खपत के लिए चीनी की साल भर उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

कोरोना महामारी के बाद वीजा आवेदन की संख्या में आई तेजीः रिपोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना महामारी के बाद से भारत में वीजा आवेदन की संख्या में बढ़ोतरी देखने को मिली है। वीजा आवेदन को लेकर एक वीजा सर्विस प्रोवाइडर कंपनी ने एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार कोविड-19 की महामारी के बाद से वीजा आवेदन की संख्या में तेजी देखने को मिली है। रिपोर्ट में दिए गए आंकड़ें बताते हैं कि कोरोना महामारी के बाद विदेश यात्रा भी बढ़ गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जून में वीजा आवेदन की संख्या में महामारी के पहले के स्तर को पार कर दिया है। यह आवेदन 2019 की पहली छमाही की तुलना में 2 फीसदी ज्यादा है। वहीं, वर्ष 2023 की तुलना में आवेदन की संख्या 11 फीसदी बढ़ गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक पर्सनलाइज्ड सर्विस में वीजा एट योर डोर स्टेप (वीएवायडी) की मांग में भी वृद्धि हुई है। साल 2019 की तुलना में वीएवायडी की मांग में चार गुना वृद्धि देखने को मिली है। वही, 2023 की पहली छमाही की तुलना में वीएवायडी में 16 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

वीज़ा एट योर डोर स्टेप में आवेदक घर या फिर किसी भी स्थान से वीजा आवेदन के प्रोसेस को पूरा कर सकते हैं और बायोमेट्रिक एंट्रोलमेंट सर्विस का लाभ भी उठा सकते हैं।

बुर्ज खलीफा से चार गुना ऊंचा पहाड़ प्रशांत महासागर में

कैलिफोर्निया (ईएमएस)। अमेरिका के समुद्री वैज्ञानिकों ने प्रशांत महासागर में डेढ़ हजार किलोमीटर की पर्वत श्रृंखला को खोजा है। इस पर्वत श्रृंखला का एक हिस्सा 3109 मीटर ऊंचाई का है। ग्रीक के ओलंपस पर्वत का आकार 2917 मीटर ऊंचा है। दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा है। इसकी ऊंचाई 830 मीटर है। इससे चार गुना ज्यादा ऊंचाई है। प्रशांत महासागर में समुद्र के अंदर जो पर्वत श्रृंखला है। उसके एक भाग की ऊंचाई 3109 मीटर की है। जो सर्वाधिक है।

मैपिंग कैलिफोर्निया शिमट ओशन इंस्टीटयूट की टीम ने खोज की है। टीम ने 28 दिन तक लगातार महासागर में जहाज के माध्यम से माप का काम पूरा किया है। इंस्टीटयूट की कार्यकारी निदेशक ज्योतिका विरमानी के अनुसार ध्वनि तरंगें नीचे की ओर जाकर सतह से वापस ऊंचाई की ओर आती हैं। इसमें लगने वाले समय के आधार पर पर्वत की ऊंचाई को मापा गया है।

गे, लेस्बियन और ट्रांसजेंडर भी खोल सकेंगे संयुक्त खाता

नई दिल्ली (ईएमएस)। वित्त मंत्रालय ने कहा कि एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोगों के लिए संयुक्त बैंक खाता खोलने और समलैंगिक रिश्ते में रहने वाले व्यक्ति को नामित करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। वित्त मंत्रालय ने हाल ही में परामर्श जारी कर कहा कि यह स्पष्ट किया जाता है कि समलैंगिक समुदाय के व्यक्तियों के लिए संयुक्त बैंक खाता खोलने तथा समलैंगिक संबंध वाले किसी व्यक्ति को नामित करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। मंत्रालय की ओर से लेस्बियन, गे, बाइसेक्सुअल और ट्रांसजेंडर समुदाय (एलजीबीटी) के लिए यह सलाह 17 अक्टूबर, 2023 को दिए गए उच्चतम न्यायालय के एक आदेश के मद्देनजर जारी की गई है। वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग द्वारा जारी परामर्श में कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा 21 अगस्त, 2024 को सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को इस संबंध में स्पष्टीकरण भी जारी किया गया है। आरबीआई ने 2015 में बैंकों को निर्देश दिया था कि वे अपने सभी फॉर्मों और आवेदनों में एक अलग कॉलम शामिल करें, ताकि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को बैंक खाते खोलने और संबंधित सेवाओं का लाभ उठाने में मदद मिल सके। साल 2015 के आदेश के बाद कई बैंकों ने ट्रांसजेंडरों के लिए सेवाएं शुरू की हैं। ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने 2022 में विशेष रूप से ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए रेनबो सेविंग्स अकाउंट शुरू किया। इसमें उच्च बचत दरों और उन्नत डेबिट कार्ड सुविधाओं सहित कई सुविधाएं प्रदान की गई थीं।

चीन का पिछलग्गू मालदीव डिफॉल्ट होने की कगार पर

माले (ईएमएस)। चीन परस्त मोहम्मद मुइज्जू की नीतियों के चलते पर्यटकों का स्वर्ग कहलाने वाले मालदीव के सामने बड़ा आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी फिच ने मालदीव की क्रेडिट रेटिंग को पिछली सीसीसी प्लस से घटाकर सीसी प्लस कर दिया है। दो माह में दूसरी बार रेटिंग डाउनग्रेड करने के बाद मालदीव के बांड में गिरावट आई है, इससे उसके डिफॉल्ट का खतरा बढ़ गया है। वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के बयान में कहा गया कि मालदीव को दीर्घकालीन विदेशी मुद्रा जारी डिफॉल्ट रेटिंग (आईडीआर) को घटाकर सीसी कर दिया गया है। यह आमतौर पर सीसीसी प्लस या उससे कम रेटिंग वाले देशों को आउटलुक प्रदान नहीं करती है।

जुलाई में मालदीव का शुद्ध विदेशी मुद्रा भंडार 50 मिलियन डॉलर से नीचे चला गया जबकि सकल भंडार 400 मिलियन डॉलर से नीचे पहुंच गया। यह महीने में 500 मिलियन डॉलर से कम था। मालदीव में इस साल चीन और रूस से पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी के बावजूद आयात पर भारी निर्भरता और डॉलर के मुकाबले रुफिया में गिरावट ने भंडार पर दबाव बनाए रखा है। देश के सबसे बड़े कर्जदाता, बैंक ऑफ मालदीव ने पिछले सप्ताह देश के क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर विदेशी मुद्रा के खर्च की सीमा लागू की थी। हालांकि, मालदीव मौद्रिक प्राधिकरण के निर्देश पर फैसले को उसी दिन पलट दिया गया था। मालदीव सरकार 3.5 अरब डॉलर के भारी बाहरी कर्ज से जूझ रही है, जिसका बड़ा हिस्सा चीन के बैंकों से लिया हुआ है। राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने चुनाव में इंडिया अभियान चला भारत विरोधी भावनाओं को भड़काया था। राष्ट्रपति बनने के बाद उन्होंने चीन से खूब नजदीकियां बढ़ाई। इसके बावजूद चीन ने कर्ज के पुनर्गठन की माले की मांग को ठुकरा दिया। अब आर्थिक संकट में घिरे मुइज्जू भारत की ओर देख रहे हैं। उन्होंने चीन के साथ ही भारत से भी बेलआउट के लिए अपील की है। माले के अनुरोध पर भारत ने कर्ज अदायगी के लिए मालदीव को राहत प्रदान की है।

सामुदायिक दुर्गा पूजा समिति ने ममता सरकार की सहायता राशि लेने से किया इंकार

कोलकाता (ईएमएस)। कोलकाता स्थित सामुदायिक दुर्गा पूजा समिति ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की ममता सरकार द्वारा दिए जाने वाले वार्षिक दुर्गा पूजा दान को अस्वीकार कर दिया। समिति ने एक महिला डॉक्टर के साथ हुए बलात्कार और हत्या के विरोध में यह कदम उठाया है। कोलकाता के सामुदायिक क्लब मुडियाली अमरा का जन ने बयान जारी कर अपना निर्णय घोषित किया। बयान में कहा गया है, हम इस साल राज्य सरकार द्वारा दिए गए 85,000 रुपये के दान को स्वीकार नहीं कर रहे हैं। समिति ने यह निर्णय जूनियर डॉक्टर के साथ हुए बलात्कार और हत्या के विरोध में लिया है। हम पीड़िता के लिए न्याय चाहते हैं।

ममता सरकार द्वारा दी गई सहायता राशि पिछले साल की तुलना में इस साल 15,000 रुपये अधिक है। संगठन का कहना है कि सहायता राशि को अस्वीकार करना बलात्कार और हत्या की त्रासदी के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध का एक तरीका है। इसके पहले हुगली जिले के चार क्लबों ने दान लेने से मना किया था। हुगली जिले के उत्तरपाड़ा स्थित उत्तरपाड़ा शक्ति संघ क्लब ने सबसे पहले ऐसा करने से मना कर दिया था। बाद में महिलाओं द्वारा संचालित और उत्तरपाड़ा स्थित सामुदायिक दुर्गा पूजा समिति ने भी सहायता राशि लेने से इंकार कर दिया था। ममता सरकार द्वारा सहायता देने से इंकार करने पर आयोजकों ने कहा कि इस बार हमें अपने खर्चों में कटौती करनी पड़ सकती है। फिर भी दान की राशि अस्वीकार करने का निर्णय लिया गया।

विवादों के चलते ब्राजील में बंद होने की कगार पर मस्क का सोशल प्लेटफॉर्म

ब्राजीलिया,(ईएमएस)। पॉपुलर माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स (एक्स) ने अगस्त महीने की शुरुआत में एलान किया था की वह ब्राजील में अपना काम बंद कर रही है। दरअसल, ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट में एक्स के सेंसरशिप को लेकर मामला चल रहा है। अब इस मामले को लेकर एक्स ने कहा कि हमें उम्मीद था कि ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को देर रात एक्स को बंद करने का आदेश देगी। इसको लेकर एक्स ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। एक्स ने अपने पोस्ट में कहा कि हमें उम्मीद है कि ब्राजील सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस समयसीमा बीत जाने के कुछ समय बाद ही एक्स को जल्द बंद करने का आदेश दे देंगे। इससे पहले ब्राजील सुप्रीम कोर्ट ने एलन मस्क के स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट फर्म के स्थानीय बैंक अकाउंट को ब्लॉक करने का आदेश दिया। इसमें एलन मस्क की 40 फीसदी हिस्सेदारी है। एक्स और ब्राजील कोर्ट के विवादों से एलन मस्क को घाटे का सामना करना पड़ रहा है। स्टारलिंक ने पहले पुष्टि करके बताया कि उसे जज से एक आदेश मिला है। इस आदेश के अनुसार कंपनी को ब्राजील में वित्तीय लेनदेन करने पर रोक लगाई गई है। एलन मस्क ने अपने एक्स पोस्ट में मोरेस पर हमला किया। उन्होंने स्टारलिंक के बैंक अकाउंट को ब्लॉक करने के फैसले को अवैध बताया। उन्होंने कहाकिजजकेआदेश का असर शेयरधारकों के साथ-साथ आम ब्राजीलियाई लोगों को भी पड़ेगा। कोर्ट कंपनी के साथ शेयरधारकों और आम ब्राजीलियाई लोगों को भी दंडित कर रहा है।

यूक्रेन ने तीन हफ्ते की लड़ाई के बाद रूस के कुर्स्क इलाके पर कब्जा कर लिया

मॉस्को(ईएमएस)। रूस और यूक्रेन की जंग जारी है इसी बीच वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस के कुर्स्क इलाके पर कब्जा कर लिया है। इसके बावजूद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन जवाबी हमला नहीं कर रहे हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि पुतिन चुप क्यों हैं। क्या है वह जेलेंस्की को जवाब देने के लिए कोई बड़ी योजना बना रहे हैं याउनके पास साधनों की कमी है। यूक्रेन ने तीन हफ्ते की लड़ाई के बाद रूस के कुर्स्क इलाके पर कब्जा कर लिया। रूस अभी भी कुर्स्क से यूक्रेनी सेना को हटाने के लिए संघर्ष कर रहा है। जो दूसरे विश्व युद्ध के बाद से अपने इलाके पर पहलीबारकिसीकब्जेकेखिलाफ आश्चर्यजनक रूपसेरूसकी धीमी प्रतिक्रिया मालूम होती है। साथ ही यह भी माना जा रहा है कि यहसबकुछ रूसी सेना की संख्या और उसकी प्राथमिकताओं पर निर्भर करता है। यूक्रेन के अंदर अपने हमलों को बड़े पैमाने पर बढ़ाने वाले रूस के पास अभी कीव की सेना को बाहर निकालने के लिए पर्याप्त रसद भंडार भी नहीं है।

वहीं अधिकारियों के साथ टेलीविजन मीटिंग में कुर्स्क हमले के बारे में पुतिन ने कहा कि यह डोनेट्स्क में रूसी अभियान को धीमा करने की एक चाल है। उन्होंने कहा कि कुर्स्क में हमले की घटनाओं के बावजूद रूस तेजी से कई इलाकों में आगे बढ़ा है। यूक्रेन के चार इलाकों पर कब्जा करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए पुतिन ने कुर्स्क में कीव के हमले को बहुत कम महत्व देने की कोशिश की है। वहीं रूस के सरकारी मीडिया ने कुर्स्क पर हमले को कीव के आक्रामक इरादों के सबूत के रूप में पेश किया और कहा कि यह इस बात का और सबूत है कि रूस का यूक्रेन पर हमला करना उचित था।बहरहाल रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस हमले को इतना गंभीर खतरा नहीं मानते हैं कि पूर्वी यूक्रेन के डोनबास इलाके से सैनिकों को वापस बुलाकर कुर्स्क इलाके में भेजना उचित समझें, जो उनका पहला लक्ष्य है। पुतिन का ध्यान यूक्रेनी सरकार के पतन पर है। जिसके बारे में उनका मानना है कि इसके बाद किसी भी इलाके पर कब्जा अपने आप अप्रासंगिक हो जाएगा। 2022 में पूरे पैमाने पर हमला शुरू करने के महीनों बाद पुतिन ने डोनेट्स्क, लुहान्स्क, जोपोरिज्जिया और खेरसॉन के यूक्रेनी इलाकों को रूसी क्षेत्र के हिस्से के रूप में अवैध रूप से अपने कब्जे में ले लिया। उन इलाकों पर पूरी तरह कब्जा करना उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता रही है। 6 अगस्त को यूक्रेनी सेना कुर्स्क इलाके में घुस गई। जबकि रूसी सैनिकों ने रणनीतिक शहर पोक्रोवस्क और डोनेट्स्क इलाके के अन्य हिस्सों के आसपास अपनी धीमी गति से आगे बढ़ना जारी रखा। एक्सपर्ट्स का मानना है कि रूस पोक्रोवस्क की ओर हमले जारी रखने और पोक्रोवस्क से संसाधनों को कुर्स्क में नहीं ले जाने के लिए काफी हद तक तैयार है। पोक्रोवस्क में यूक्रेनी बलों ने व्यापक किलेबंदी की है।

30 घंटे के ऑपरेशन के बाद इजरायली सेना वेस्ट बैंक के तुबास से वापस लौटा

तेलअवीवी (ईएमएस)। करीब 30 घंटे के सैन्य ऑपरेशन के बाद इजरायली सेना वेस्ट बैंक के उत्तरी शहर तुबास से वापस लौट गई है। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने ये जानकारी दी है। चार फिलिस्तीनियों की हत्या और घरों तथा बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के बाद तुबास के दक्षिण में स्थित फारा शरणार्थी शिविर से इजरायली सेना वापस लौट गई है। इस बीच, फिलिस्तीन मौद्रिक प्राधिकरण ने एक प्रेस बयान में कहा कि जेनिन शहर में कुछ बैंक शाखाओं में बैंकिंग सेवाएं बाधित हो गईं, क्योंकि इजरायली सेना ने शहर में इंटरनेट केबल नष्ट कर दी। तुबास के दक्षिण में फरा शरणार्थी शिविर पर इजरायली ड्रोन द्वारा किए गए बम विस्फोट में चार युवक मारे गए थे। बुधवार को, इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ), इजरायल सिक्योरिटी अथॉरिटी और इजरायली पुलिस ने एक संयुक्त बयान जारी किया था, जिसमें कहा गया कि इजरायली सुरक्षा बलों ने तीन शहरों में आतंकवाद विरोधी अभियान चलाया है, जिसमें जेनिन और तुलकरम में पांच सशस्त्र आतंकवादियों और तुबास के फ़ारा शरणार्थी शिविर में चार को मार गिराया गया। इजरायली मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि उत्तरी वेस्ट बैंक में यह अभियान 2002 के बाद से अपनी तरह का सबसे बड़ा अभियान था। वेस्ट बैंक में 7 अक्टूबर, 2023 से फिलिस्तीनियों और इजरायलियों के बीच तनाव बढ़ रहा है, जब हमास-इजरायल संघर्ष शुरू हुआ था। फिलिस्तीनी और इजरायली सूत्रों के अनुसार, इजरायली सेना ने बुधवार रात को तुलकर्म, जेनिन और तुबास शरणार्थी शिविरों में बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान शुरू किया था। इजरायल का कहना है कि वहां कुछ आतंकवादी इजरायल के खिलाफ ऑपरेशन में शामिल थे, और उनको गिरफ्तार करना जरूरी था। उधर, फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने बुधवार को कहा कि जेनिन, तुबास और तुलकरम शहरों के साथ-साथ कई कैंप को भी निशाना बनाया गया, जिससे स्थानीय बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा।

यूपीए सरकार ने भी कराई थी जाति जनगणना, आंकड़े नहीं हो सके सार्वजनिक

-अब विपक्ष उठा रहा मांग, एनडीए के सहयोगी दल भी दे रहे साथ

नई दिल्ली,(ईएमएस)। विपक्ष लंबे समय से जातिगत जनगणना कराने की मांग पर अड़ा है। अब एनडीए के सहयोगी जेडीयू भी विपक्ष का साथ खड़ा हो गया है। जेडीयू ने भी कहा है कि जाति आधारित जनगणना को संसदीय समिति में चर्चा के लिए लाया जाए। आजादी के बाद से भारत सरकार ने कभी जातिगत जनगणना नहीं कराई। हालांकि यूपीए सरकार ने जाति जनगणना के समय जातियों का आंकड़ा जुटाया था लेकिन इसे सार्वजनिक नहीं किया जा सका।

यूपीए-2 के दौरान जब सरकार ने गरीबों के लिए अपनी योजनाओं का विस्तार करना चाहा तो गरीबी के स्तर का पता लगाने उसने शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में सोशियो इकोनॉमिक कास्ट सेंसस कराने का फैसला लिया। इसमें कुछ नियम तय किए गए जिनके तहत कुछ वर्गों को ऑटोमैटिक ही गरीबों की सूची में शामिल किया जाना था। किसी परिवार के पास कार, तीन कमरों का पक्का मकान था तो उसे सीधे गरीबी रेखा से हटा दिया गया था। वहीं सिंगल मदर और मैला ढोने वालों को गरीबी रेखा के नीचे की सूची में रखा जाना था। इसका मुख्य उद्देश्य परिवारों का सामाजिक-आर्थिक स्तर पर निर्धारण करना था। वहीं आर्थिक और सामाजिक स्थिति के आधार पर उसकी जाति का भी पता लगाना था।

27 मई 2010 की बैठक में कांग्रेस आलाकमान ने तय किया कि 2011 की जनगणना के साथ ही जाति के आधार पर आंकड़े भी इकट्ठा करवाए जाएं। इससे सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर तथ्यात्मक जानकारी सामने आ जाएगी। हालांकि इस जनगणना में केवल गिनती ही की जानी थी। जाति के आधार पर किसी के सामाजिक और आर्थिक स्तर की जानकारी बताने पर पहले ही सहमति नहीं बनी थी। इसके बाद तत्कालीन पीएम डॉ. मनमोहन सिंह ने तत्कालीन वित्तमंत्री प्रणव मुखर्जी की अगुआई में कुछ मंत्रियों को इस काम की जिम्मेदारी सौंपी थी।

एनसी सक्सेना के अगुआई वाले ग्रुप ने प्रस्ताव रखा कि कुछ वर्गों को ऑटोमैटिक बीपीएल में रखा जाए और कुछ को बाहर कर दिया जाए। भूमि, वाहन, खेती के उपकरणों और इनकम टैक्स के आधार पर यह तय किया जाना था। वहीं आदिवासियों, महादलितों, सिंगल महिला, दिव्यांगों और बेघरों को ऑटोमैटिक बीपीएल श्रेणी में शामिल करने का प्रस्ताव रखा था। इसके अलावा अन्य लोगों को जाति, समुदाय, धर्म, काम, शिक्षा और घर के मुखिया की उम्र के आधार पर आंका जाना था।

अधिकारियों के मुताबिक लोगों का जाति बताने का तरीका अलग-अलग था। कुछ लोग उपजाति बताते थे तो कुछ लोग समुदाय के आधार पर जाति बताते थे। इसके बाद 2022 में सामाजिक न्याय मंत्रालय ने ससंद में कहा था कि फिलहाल जाति आधारित आंकड़ा जारी करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। वहीं एनडीए सरकार ने अरविंद पानगड़िया की अध्यक्षता में जनगणना से जातिगत आंकड़ा अलग करने के लिए एक कमेटी बनाई थी। अब तक यह आंकड़ा जारी नहीं हो सका।

भारत की आईएनएस अरिघात से डरा चीन......भोपू से देने लगा शांति का ज्ञान

बीजिंग (ईएमएस)। भारत ने अपनी दूसरी परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी आईएनएस अरिघात को कमिशन कर दिया है। यह पनडुब्बी के-15 परमाणु मिसाइल से लैस है, जो 750 किमी तक मार करती है। भारत बंगाल की खाड़ी के उत्तरी इलाके से अगर इस मिसाइल को दागता है, तब चीन के यून्नान प्रांत और तिब्बत को तबाह कर सकता है। इतना ही नहीं आगे चलकर इस सबमरीन में 3 हजार किमी तक मार करने वाली के 4 मिसाइल को भी फिट किया जा सकता है। भारत की इस पनडुब्बी को देख चीन टेंशन में आ गया है। चीन के भोपू ने चीनी विशेषज्ञों के हवाले से मिसाइल पनडुब्बी को लेकर भारत को ज्ञान दिया, इसपर भारत ने करार जबाव देकर उसकी बोलती बंद कर दी है। लेख में कहा, चीनी विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को शक्ति प्रदर्शन की बजाय ताकत को जिम्मेदारी के साथ रखना चाहिए और शांति तथा स्थिरता में योगदान देना चाहिए। बीजिंग के सैन्य जानकार ने कहा कि ज्यादा परमाणु ऊर्जा से चलने वाली मिसाइल पनडुब्बी से भारत की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता बढ़ गई है लेकिन इसके साथ ही इस तरह की ताकत रखने से जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। चीनी एक्सपर्ट ने कहा कि जब तक परमाणु हथियार मौजूद हैं, इनका इस्तेमाल शांति और स्थिरता के लिए किया जाना चाहिए न कि शक्ति प्रदर्शन या परमाणु ब्लैकमेलिंग के लिए।

चीनी सैन्य जानकार के बयान पर भारतीय विशेषज्ञ ने करारा जवाब दिया है। भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने अपने पोस्ट में कहा कि चीन के पास 6 परमाणु ऊर्जा से चलने वाली बैलिस्टिक मिसाइल सबमरीन और 6 परमाणु अटैक सबमरीन मौजूद हैं। आज के दिन में निश्चित रूप से चीनी नौसेना दुनिया में सबसे बड़ी है और वह शक्ति प्रदर्शन नहीं करता है, बस दोस्तों के बंदरगाहों पर जाता है। (चीन का) कितना बड़ा पाखंड है।

बता दें कि चीन ताइवान, जापान, फिलीपीन्स, वियतनाम जैसे पड़ोसी देशों को अक्सर अपनी नौसेना भेजकर डराता है। इसके बाद भी चीनी सरकारी अखबार भारत को ज्ञान दे रहा है। चीन ने परमाणु हथियारों का विशाल जखीरा बनाने का काम तेज कर दिया है। चीन की कोशिश है कि 1000 परमाणु बम बनाया जाए ताकि भारत से लेकर अमेरिका तक को टक्कर दे सके।

चीन ने अमेरिका के शक्तिशाली एयरक्राफ्ट करियर को भी डूबने के लिए मिसाइलें बना ली हैं। चीन लगातार अपने एयरक्राफ्ट करियर की संख्या को बढ़ा रहा है। इतनी ताकत जमा कर रहा चीन भारत को ज्ञान दे रहा है। भारतीय पनडुब्बी की यह 6000 टन की है। अरिघात के आने से भारत की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता में काफी इजाफा होगा। भारत हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती दादागिरी को टक्कर दे सकेगा। यही वजह है कि चीन और उसका सरकारी मीडिया बौखलाया हुआ है।

6 लाख 40 हजार बच्चों का टीकाकरण होगा, इसलिए इजरायल 9 दिन तक नहीं करेगा बमबारी

गाजा(ईएमएस)। गाजा के अलाग अलग हिस्सों में तीन-तीन दिन (कुल 9 दिन) तक इजरायल की ओर से कोई रॉकेट या ड्रोन हमला नहीं होगा। इसकी वजह हैं 6 लाख 40 हजार बच्चे। गुरुवार को डब्लूएचओ ने बताया कि हमास और इजरायल ने गाजा में अल्पकालिक युद्ध विराम पर सहमति जताई हैं। दरअसल, हमास और इजरायल के बीच पिछले 11 महीनों से जंग चल रही है। इसके वजह से लाखों बच्चों का पोलियो टीकाकरण नहीं हो पाया है। डब्लूएचओ के इमरजेंसी डायरेक्टर रयान ने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया, 'टीकाकरण को पूरा करने में अक्सर एक या दो दिन का अतिरिक्त समय लग जाता है। इसलिए दोनों पक्षों को इस पर राजी करवा लिया गया है।' वहीं, पीपरकोर्न ने कहा कि अगर टीकाककरण का पहला दौर पूरा होता है तो चार सप्ताह बाद टीकाकरण का दूसरा दौर शुरू किया जाएगा। 25 बर्षों में पहली बार 23 अगस्त को गाजा में एक बच्चे में टाइप 2 पोलियो वायरस की पुष्टि हुई थी, जिसके बाद से यह अभियान जारी किया गया है।

डब्लूएचओ के सीनियर अधिकारी रिक पीपरकोर्न ने बताया कि गुरुवार को दोनों पक्षों ने युद्ध विराम पर सहमती जताई है, ताकि पहले चरण में 6 लाख 40 हजार बच्चों का टीकाकरण संभव हो सके। उन्होंने बताया कि रविवार को बच्चों का टीकाकरण शुरू होगा। यह सुबह के 6 बजे से शुरू होकर दोपहर के 3 बजे तक चलेगा। साथ ही उन्होंने बताया कि चिंता इस बात की इतने बच्चों के टीकाकरण के लिए तीन दिन का समय काफी नहीं होगा, इसके लिए उनको एक या दो और दिन के समय की जरूरत पड़ सकती है। पीपरकोर्न ने आगे मीडिया से बात करते हुए बताया, 'रविवार से शुरू हो रहे पोलियो अभियान की शुरुआत सेंट्रल गाजा से होगी। यहां पर तीन दिनों तक युद्ध विराम रहेगा, फिर वहां से हमारी टीम दक्षिणी गाजा की ओर बढ़ेगी। यहां भी तीन दिनों का युद्ध विराम रहेगा। उसके बाद उत्तरी गाजा में भी पोलियो टिकाकरण अभियान चलेगा, वहां पर भी तीन दिन विराम लागू होगा।' वहीं उन्होंने बताया कि अगर उन क्षेत्रों में टीकाकरण तीन दिन में पूरा नहीं होता है तो दोनों तरफ से चौथे दिन भी युद्ध रोकने पर सहमती हुई है।

रूस-यूक्रेन जंग के बीच कीव और अमेरिका को एक ही साथ बड़ा झटका लगा

मास्को(ईएमएस)। रूस-यूक्रेन जंग के बीच कीव और अमेरिका दोनों को एक ही साथ बड़ा झटका लगा है। रूसी मिसाइल हमले के दौरान जेलेंस्की और बाइडन को उस वक्त झटका लगा, जब अमेरिका का एफ-16 फाइटर जेट क्रैश हो गया और यूक्रेन का टॉप पायलट भी मारा गया। खुद कीव ने कबूल किया है कि लड़ाकू विमान सोमवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यूक्रेनी जनरल स्टाफ ने फेसबुक पर कहा कि एफ-16 विमान उस वक्त दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जब वह रूसी हवाई हमले के दौरान एक टारगेट के करीब पहुंच रहा था। टारगेट के करीब पहुंचने के दौरान उससे संपर्क टूट गया। बाद में पता चला कि लड़ाकू विमान क्रैश हो गया। हादसे में पायलट की मौत हो गई। इस खबर के बाद से जेलेंस्की टेंशन में आ गए होंगे। हालांकि, यूक्रेन ने दावा किया है कि क्रैश होने से पहले अमेरिकी एफ-16 ने रूस के चार क्रूज मिसाइलों को मार गिराया।दरअसल, यूक्रेन को पिछले महीने ही पहली बार अमेरिका ने अपना सबसे खास हथियार एफ-16 लड़ाकू विमान दिया था। यूक्रेन ने रूसी मिसाइल हमले के जवाब में एफ-16 को दौड़ाया था, मगर रूसी अटैक का मुकाबला करने के दौरान एक एफ-16 क्रैश हो गया। इस क्रैश में यूक्रेन का टॉप पायलट मारा गया। इस तरह यूक्रेन जंग में अमेरिका का सबसे विध्वंसक हथियार एफ-16 चकनाचूर हो गया।

एफ-16 विमान क्रैश में मारे गए पायलटकी पहचान कर्नल एलेक्सी मूनफिश के रूप में हुई है। फिलहाल, यूक्रेन को रूससेयुद्ध लड़ने के लिए अभी और एफ-16 की जरूरत है। खुद जेलेंस्की का कहना है कि रूस का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिएउसे100 से अधिक अमेरिकी एफ-16 विमानों की आवश्यकता है। जबकि रूस के पास 1,000 से अधिक लड़ाकू विमान हैं। बता दें कि करीब ढाई साल से अधिक समय से रूस और यूक्रेन के बीच जंग जारी है।दरअसल, लंबे इंतजार और मांग के बाद यूक्रेन को अमेरिका ने अपना सबसे घातक हथियार दियाथा।अमेरिकाकोएफ-16 की काबलियत पर घमंड रहता है। एफ-16 अमेरिका का मल्टी रोल वाला लड़ाकू विमान है। यह अत्यधिक युद्धाभ्यास करने योग्य है और हवा से हवा में लड़ाई और हवा से सतह पर हमले में खुद को साबित कर चुका है। यह अमेरिका का अपेक्षाकृत कम लागत वाली और अधिक ताकत वाला हथियार है। एफ-16 का क्रैश होना यूक्रेन के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है। इससे यूक्रेन को बड़ा नुकसान हुआ है। लड़ाकू विमान तो गया ही, टॉप पायलट भी चला गया। सूत्रों की मानें तो अमेरिका ने यूक्रेन को कुल 6 एफ-16 जेट दिए थे। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने 4 अगस्त को कन्फर्म किया कि यूक्रेनी पायलटों ने इ-16 उड़ाना शुरू कर दिया है। उन्होंने इसे रूस के खिलाफ जंग में इसे मील का पत्थर बताया था। वहीं, अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने कहा कि यह विमान क्रैश रूसी गोलाबारी का नतीजा नहीं है। ऐसा लगता है कि यह पायलट की गलती और यांत्रिक खराबी की वजह से हुआ।

गुजरात से चक्रवात का खतरा टला, कच्छ को छूकर पाकिस्तान की ओर बढ़ा आसना

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में मंडरा रहे आसना चक्रवात का खतरा टल गया है कच्छ को छूकर चक्रवात पाकिस्तान की ओर बढ़ गया है चक्रवात भुज से 240 किलोमीटर दूर पश्चिम दिशा में है और कच्छ के तटीय क्षेत्र से पाकिस्तान की ओर बढ़ रहा है कच्छ के पास बने डीप डिप्रेशन को लेकर बड़ी खबर सामने आई है डीप डिप्रेशन का क्षेत्र चक्रवात में बदल गया है और यह पाकिस्तान के कराची से होते हुए ओमान की ओर बढ़ेगा। चक्रवात अब कच्छ के भुज से 240 किमी दूर पश्चिम की ओर बढ़ गया है। यह कराची से 160 किमी दक्षिण दक्षिण पूर्व में है। फिलहाल गुजरात में बारिश की तीव्रता कम हो गई है लेकिन मौसम विभाग का अनुमान है कि सितंबर महीने में बारिश की तीव्रता फिर से शुरू होगी 2, 3 और 4 सितंबर को अमरेली और भावनगर में भारी बारिश हो सकती है इसके अलावा दो सितंबर को नवसारी, वलसाड, तापी, दमन, दादरानगर हवेली में बारिश हो सकती है इसके साथ ही 2 से 4 सितंबर तक गुजरात के कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है फिलहाल चक्रवात के प्रभाव के कारण कच्छ जिले में केवल छिटपुट बारिश की भविष्यवाणी की गई है। हालांकि पहले हुई भारी बारिश का असर अभी भी दिख रहा है। मांडवी तालुका में 15 इंच बारिश दर्ज होने के बाद भी पानी अभी तक कम नहीं हुआ है। ऐसी ही स्थिति अब्डासा सहित तटीय तालुकाओं में देखी जा रही है। सैकड़ों सड़कों और सड़कों पर पानी भर जाने से यातायात ठप हो गया है कई तटीय गांव अभी भी टापू में तब्दील हैं। कच्छ में भारी बारिश के कारण उत्पन्न गंभीर स्थिति के बाद कच्छ जिला प्रशासन द्वारा व्यापक पैमाने पर राहत और बचाव कार्य चलाया जा रहा है। अब तक करीब 3000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है प्रभावित इलाकों में सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें राहत और बचाव कार्य में लगातार कार्यरत हैं

वडोदरा शहर में 48 घंटे बाद भी फतेगंज के कई इलाकों में गैस सप्लाई बंद है

वडोदरा, 30 अगस्त

वडोदरा शहर में बाढ़ का पानी कम होने के बाद भी नागरिकों की मुसीबतें कम नहीं हो रही हैं। नगर निगम तंत्र द्वारा कई कार्य शीघ्रता से नहीं किये जाने से नागरिक अब असहाय महसूस कर रहे हैं। बाढ़ का पानी घटने के बाद शहर में एक के बाद एक शिकायतें लगातार बढ़ती जा रही हैं।

बाढ़ का पानी घटने के 48 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद फतेगंज इलाके में कई जगहों पर गैस आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी है. यहां रहने वाले लोगों को अपने भोजन और नाश्ते के लिए दूसरे रिश्तेदारों या पड़ोसियों पर निर्भर रहना पड़ता है।

यह भी पढ़ें: 48 साल की विनाशकारी बाढ़ के बाद वडोदरा में आक्रोश, बीजेपी के दिग्गज नेताओं को खदेड़ा गया एक तरफ इस इलाके में निगम की ओर से पीने का पानी नहीं आ रहा है तो दूसरी तरफ लोग बाहर का खाना भी खाने से इनकार कर रहे हैं. ऐसे में अब गैस न मिलने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फतेगंज के सदर बाजार, पत्रकार सोसायटी सहित अन्य इलाकों में गैस सप्लाई कब शुरू होगी? इस बारे में सिस्टम कोई निश्चित जवाब नहीं दे रहा है.

हालांकि गैस सप्लाई में आ रही समस्या से गैस विभाग और नगर पालिकाकेअधिकारी पूरी तरह वाकिफ हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। गैस सप्लाई न आने को लेकरनगरनिगम की टीम ने मौका मुआयना किया तोबताया गया कि गैस पाइपलाइन के अंदर बाढ़ का पानी चला गयाहै. इसलिए पूरी लाइन खोलकर जांच करनी होगी। तो अब, सिस्टम क्या करताहै और कैसे काम करता है? इसे देखा जाना बाकी है।

विश्वामित्री नदी के पुनर्विकास के लिए 1200करोड़केपैकेज को मंजूरी

वडोदरा,30 अगस्त

वडोदरा की विश्वामित्री नदी के पानी से वडोदरा में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। इसके बाद गृह मंत्री हर्ष संघवी शहर के हालात की समीक्षा करने के लिए गुरुवार को वडोदरा पहुंचे। उन्होंने कलेक्टर कार्यालय में सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों और प्रशासनिक विभागों के साथ बैठक की और कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये. जबकि वडोदरा के सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों ने विशेष रूप से वडोदरा के लिए विश्वामित्री नदी पुनरुद्धार और पुनर्विकास परियोजना की मांग की। जिसके बाद सीएम ने इस प्रोजेक्ट को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है, इस प्रोजेक्ट की लागत करीब 1200 करोड़ रुपये होगी।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने स्वच्छता, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली जैसे कार्यों के लिए भी जनता से आह्वान किया है. वडोदरा शहर के सफाई कर्मचारियों सहित कुल लगभग 3,500 से 4,000 लोग आज रात काम करेंगे और आज शाम तक उन सभी क्षेत्रों को साफ कर दिया जाएगा जहां पानी कम हो गया है।

वडोदरा शहर को पानी की आपूर्ति करने वाले 13 नाबदान बंद कर दिए गए थे, जिनमें से अब केवल 4 ही बंद हैं। ऐसी विकट स्थिति में शहर को बिजली आपूर्ति करने वाले 118 फीडर बंद हो गये. जिसमें से गुरुवार देर शाम तक 22 फीडर चालू कर दिये गये हैं. शेष 12 फीडरों में अब भी पानी भरा हुआ है. पानी कम होते ही इसे शुरूकर दिया जाएगा। देर रात तक 150 ट्रांसफार्मर चालू हो गए हैं।

इस ऑपरेशन में 40 टीमें लगी हुई हैं, अतिरिक्त 10 टीमें भी लगी हुई हैं. जल वितरण प्रणालियों में से 34 शुरू कर दी गई हैं। 441 एमएलडी पानी का सुपर क्लोरीनीकरण कर वितरण किया गया है। करीब 40 टैंकर शहर के 10 फीसदी हिस्से में पेयजल की आपूर्ति कर रहे हैं. उन्होंने कहा है कि वड़ोदरा में बाढ़ का पानी धीरे-धीरे कम हो रहा है, अब राज्य सरकार का पूरा ध्यानराहत और बचाव कार्यों पर है. राज्य सरकार द्वारा शहर में बचाव कार्य के लिए सेना की तीन टीमें,एनडीआरएफऔर एसडीआरएफ की 7 टीमें तैनात की गई हैं।

अहमदाबादऔर सूरत समेत शहरों से 9 फायर टीमें भेजी गई हैं. अब तक185मीट्रिक टन कूड़ा साफ किया जा चुका है। बाढ़ उतरने के बाद सफाई कार्य में48जेसीबी, 78 डंपर, 63 ट्रैक्टरऔर 232 कूड़ा गाड़ियांलगाई जाएंगी। शहर और जिले के 40पीएचसी,4सीएचसी और 72 शहरी स्वास्थ्यकेंद्रऔर 1350 स्वास्थ्य कर्मचारी ऑपरेशन में शामिलहुए हैं।

बाढ़ का पानी घटना से वडोदरा में सामने आया तबाही का मंजर, विभिन्न इलाकों से 13 शव बरामद

वडोदरा (ईएमएस) शहर में बाढ़ का पानी घटने के बाद अब तबाही का मंजर सामने आने लगा है अब नुकसान की भयावहता सामने आने लगी है पानी घटने के साथ ही शहर के अलग-अलग इलाकों से 13 शव बरामद किये गये हैं विश्वामित्री नदी का जलस्तर आज 26 फीट तक गिर गया है जबकि आजवा झील का स्तर 213.70 फीट पर स्थिर है वडोदरा और ग्रामीण इलाकों में जल जमाव अब ना के बराबर है। जानकारी है कि शहर में तीन दिन से किसी शव का अंतिम संस्कार नहीं किया गया है।

सोमवार 26 अगस्त को जन्माष्टमी के दिन से शुरू हुई बारिश जलजमाव कारण बनी और विश्वामित्री नदी ने वडोदरा में बाढ़ ला दी। यहां तक कि शहर के जिन इलाकों में कभी बाढ़ नहीं आई थी, वहां भी पानी भर गया। बाढ़ प्रभावित इलाकों में पानी घटने के बाद नुकसान के हालात सामने आने लगे हैं फिलहाल शहर में अलग-अलग जगहों से 13 शव मिले हैं बताया जाता है कि तीन दिन से किसी शव का अंतिम संस्कार नहीं किया गया है। आज मिली जानकारी के मुताबिक विश्वामित्री नदी का जलस्तर कम हो गया है विश्वामित्री की सतह 26 फीट तक घट गई है। कल नदी का जलस्तर 32.50 फीट था आजवा झील का स्तर 213.70 फीट पर स्थिर हो गया है भारी बारिश और विश्वामित्री नदी में बाढ़ के कारण वडोदरा शहर जलमग्न हो गया है। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी स्थिति का आकलन करने के लिए वडोदरा पहुंचे। इसके अलावा वड़ोदरा में विश्वामित्री नदी से हुई तबाही के बाद राज्य सरकार ने पुनर्विकास के लिए रु. गृह राज्य मंत्री ने 1200 करोड़ आवंटित करने की घोषणा की थी इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि वडोदरा शहर में 13 जल वितरण पंप बंद थे, जिनमें से अब केवल 4 ही बंद हैं ऐसी विकट स्थिति में शहर को बिजली आपूर्ति करने वाले 118 फीडर बंद हो गये थे जिसमें से गुरुवार देर शाम तक 22 फीडर चालू कर दिये गये हैं शेष 12 फीडरों में अब भी पानी भरा हुआ है पानी कम होते ही इसे शुरू कर दिया जाएगा। देर रात तक 150 ट्रांसफार्मर चालू हो गए हैं।

इस ऑपरेशन में 40 टीमें लगी हुई हैं, अतिरिक्त 10 टीमें भी लगी हुई हैं जल वितरण प्रणालियों में से 34 शुरू कर दी गई हैं। 441 एमएलडी पानी का सुपर क्लोरीनीकरण कर वितरण किया गया है। करीब40टैंकर शहर के 10 फीसदी हिस्से में पेयजल की आपूर्ति कर रहे हैं।

बाढ़ के कारण एमएसयू को करोड़ों का नुकसान, सोमवार से पहले शैक्षणिक कार्य शुरू नहीं हो पाएगा, सफाई शुरू होगी

वडोदरा, 30 अगस्त

विश्वामित्री बाढ़ के कारण एमएस यूनिवर्सिटी को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। विश्वविद्यालय सोमवार से पहले शिक्षण कार्य शुरू करने की स्थिति में नहीं है।

उपलब्ध विवरण के अनुसार परिसर के मध्य से होकर गुजरने वाली भुखमरी कांस्य तथा विश्वामित्री नदी के पानी ने परिसर को नष्ट कर दिया है। एक भी संकाय ऐसा नहीं था जहां बाढ़ का पानी न घुसा हो. जिसके कारण बेंच, फर्नीचर, स्टेशनरी, लैपटॉप, कंप्यूटर पानी में तैर रहे थे। विज्ञान संकाय की प्रयोगशाला में भी पानी घुस गया. इसके चलते इसमें रखे महंगे केमिकल, फ्रीजर, डीप फ्रीजर, माइक्रोस्कोप आदि उपकरण खराब हो गए हैं।

अन्य संकायों की भी स्थिति अच्छी नहीं है. बाढ़ का पानी कम होने के बाद विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने एक बैठक बुलाई और सभी डीन से दो दिनों के भीतर नुकसान की रिपोर्ट देने को कहा.

सभी संकायों में सफाई के लिए सफाई कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति की गयी है. कक्षाओं से लेकर शिक्षकों और डीन के केबिनों तक कीचड़ की परतें जम गई हैं, इसलिए पानी के टैंकर मंगवाए गए हैं और सफाई के लिए पानी डाला जा रहा है। संकाय शिक्षक और गैर शैक्षणिक कर्मचारी भी सफाई में शामिल हुए हैं। विज्ञान जैसे कुछ संकायों के छात्र भी सफाई में मदद करने के लिए स्वेच्छा से आगे आ रहे हैं।

विश्वविद्यालय सूत्रों ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर के आसपास की दीवार भी ढह गयी है. यूनिवर्सिटी को करोड़ों का नुकसान हुआ है. एक भी संकाय ऐसा नहीं था जहां बाढ़ का पानी न घुसा हो. जिसके कारण बेंच, फर्नीचर, स्टेशनरी, लैपटॉप, कंप्यूटर पानी में तैर रहे थे। नुकसान के आंकड़े का आकलन करने की कवायद शुरू कर दी गई है. ऐसी स्थिति बन रही है कि जल्द से जल्द सोमवार से शिक्षण कार्य शुरू हो सकता है. क्योंकि सफ़ाई में बहुत समय लगता है.

बाढ़ का पानी कम होने के पांच दिन बाद भी वडोदरा शहर में पीने के पानी की कमी है

वडोदरा, 30 अगस्त

वडोदरा शहर में बाढ़ से पहले नगर निगम व्यवस्था ने कई इलाकों में पानी की सप्लाई बंद कर दी थी. जिसे आज लगातार पांचवें दिन भी पूरा नहीं किया जा सका। इस प्रकार यह सिद्ध हो गया है कि नगर निगम के उच्चाधिकारी, जलदाय विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी नागरिकों को पानी जैसी मूलभूत सुविधा सही समय पर उपलब्ध कराने में विफल रहे हैं। वहीं, अब वे इसका कारण यह बता रहे हैं कि महिसागर नदी के पानी में गंदगी बढ़ गई है.

मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक वडोदरा में रविवार से लगातार बारिश हो रही है। इस बीच सोमवार को विभिन्न नदियों पर बने बांधों के गेट खोले जाने से कई नदियों का जलस्तर बढ़ गया.

वडोदरा में बाढ़ का पानी उतरने से पहले ही नगरपालिका तंत्र ने सोमवार शाम से कई इलाकों में नागरिकों को पानी वितरण बंद कर दिया है। बाढ़ का पानी उतरने के बाद भी लगातार चार दिनों तक सिस्टम पेयजल उपलब्ध नहीं करा सका. एक ओर जहां नागरिक दो-तीन दिनों तक बिना बिजली के रहे, वहीं दूसरी ओर कई नागरिक अब भी पानी के बिना संघर्ष कर रहे हैं. उन्हें पीने के लिए तो बेचा हुआ पानी लाना पड़ रहा है लेकिन रोजमर्रा के काम के लिए भी उन्हें पानी के बिना परेशानी हो रही है।

डॉ. शीतल मिस्त्री ने कहा कि ऊपरी इलाकों में अत्यधिक बारिश और बाढ़ की स्थिति के कारण महिसागर नदी के पानी में गंदगी बढ़ गई है और पंप बंद हो गए हैं. इसलिए पानी का वितरण नहीं किया जा सकता।

वडोदरा के खास वाड़ी श्मशान में आए 10 फीट के दो मगरमच्छों का रेस्क्यू

वडोदरा, 30 अगस्त

वडोदरा मगरमच्छ बचाव: एक ओर जहां वडोदरा में तीन दिनों से बाढ़ के पानी ने कहर बरपा रखा है,वहींदूसरीओर बाहर आए मगरमच्छ भी खतरनाक हो गए हैं.

पानी कम होने केबादभीअभी भीनदीकेबाहर विशालकाय मगरमच्छ पाए जाने के मामले सामने आ रहे हैं। कल एक ही दिन में 1मगरमच्छों की मौत हो गई,जिनमें सबसे बड़ा मगरमच्छ 15फीट कावताया जा रहा है। देर रात कारेलीबाग खासवाड़ी श्मशान में आए 10फुट के मगरमच्छ को अरविंद पवार और उनकी टीम नेबचाया. एकअन्य10फीट के मगरमच्छ को भी आज सुबह खासवाड़ी श्मशान में लकड़ी भंडारण क्षेत्र में आते समय सुरक्षित बचाया गया।

बाढ़ प्रभावित वडोदरा के लोगों को केश डोल और नुकसान के लिए मुआवजा देगी सरकार

वडोदरा (ईएमएस) वडोदरा शहर में भारी बारिश से काफी नुकसान हुआ है भारी बारिश और बाढ़ से लोगों और सभी प्रकार की संपत्ति को नुकसान हुआ है। समस्या को देखते हुए राज्य सरकार ने पीड़ितों को राहत देने के लिए कैश डोल और मुआवजा देने का फैसला किया है राज्य सरकार ने चार अधिकारियों को नकद राशि और घरेलू क्षति के लिए सहायता भुगतान की जिम्मेदारी सौंपी है। जैसे-जैसे बाढ़ का पानी घट रहा है, इन अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों की जाँच करने, नकद राशि और घरेलू सहायता प्रदान करने का काम सौंपा गया है। सर्वेक्षण करने और पीड़ितों को उचित सहायता प्रदान करने के लिए यह अभियान महत्वपूर्ण है।

राज्य सरकार के मंत्रियों और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल द्वारा वडोदरा में बाढ़ की स्थिति को लेकर अध्ययन किया गया अधिकारियों से चर्चा कर सरकार जल्द ही नकद राशि व मुआवजा देगी, जिससे पीड़ितों को राहत मिलेगी ये उपाय लोगों को पूर्णता के तीव्र प्रवाह से बाहर लाने का एक प्रयास है। बता दें कि 26 अगस्त को जन्माष्टमी के दिन से शुरू हुई बारिश के कारण वडोदरा में जलजमाव हुआ था भारी बारिश के चलते विश्वामित्री नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा और उसके पानी पूरे वडोदरा को अपनी गिरफ्त में ले लिया। वडोदरा शहर जिले में बाढ़ प्रभावित लोगों को अब तक 2.74 लाख भोजन के पैकेट और 1.07 लाख पानी की बोतलें वितरित की जा चुकी हैं।

जरूरतमंदों को अभी भी चरणबद्ध तरीके से राहत सामग्री वितरित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वडोदरा शहर जिले में बाढ़ के पानी में फंसे लोगों को बचाने के लिए, तत्काल निर्णय लेकर सेना की तीन टुकड़ियां भेजी गईं।

पश्चिम रेलवे द्वारा 10 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए विशेष किराये पर 10 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित किये गये हैं। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

1.ट्रेन संख्या 09622 बांद्रा टर्मिनस - अजमेर साप्ताहिक स्पेशल जिसे पहले 26अगस्त, तक अधिसूचित किया गया था, अबउसे02सितंबर से 30 दिसंबर, तक बढ़ा दिया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09621अजमेर - बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल जिसे पहले 25 अगस्त, तक अधिसूचित कियागया था, अबउसे 01सितंबर से 29 दिसंबर, तक बढ़ा दिया गया है।

2.ट्रेन संख्या 09654 बांद्रा टर्मिनस - अजमेर साप्ताहिक स्पेशल जिसे पहले 29 सितंबर,तक अधि सूचित किया गया था, अब उसे 06 अक्टूबरसे 29 दिसंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09653 अजमेर -बांद्रा टर्मिनस साप्ता हिक स्पेशल जिसे पहले 28 सितंबर, तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 05 अक्टूबर से 28 दिसंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है।

3.ट्रेन संख्या 04712 बांद्रा टर्मिनस - बीकानेर साप्ताहिक स्पेशल जिसे पहले 29 अगस्त, तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 05 सितंबर से 26 दिसंबर, तक बढ़ा दिया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्या 04711 बीकानेर -बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल जिसे पहले 28 अगस्त, तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 04 सितंबर से 25 दिसंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है।

4.ट्रेन संख्या 09724 बांद्रा टर्मिनस - जयपुर साप्ताहिक स्पेशल जिसे पहले 26सितंबर, तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे तक बढ़ा दिया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09723 जयपुर - बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल जिसे पहले 25 सितंबर, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 02 अक्टूबर से 25 दिसंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है।

5.ट्रेन संख्या 02200 बांद्रा टर्मिनस - वीरांगना लक्ष्मीबाई साप्ताहिक सुपर फास्ट स्पेशल को 07 सितंबर से 28 दिसंबर, तक बढ़ा दिया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्या 02199 वीरांगना लक्ष्मीबाई-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 05 सितंबर से 26 दिसंबर, तक बढ़ा दिया गया है।

6. ट्रेन संख्या 04126/04125 बांद्रा टर्मिनस-सूबेदारगंज (साप्ताहिक) सुपरफास्टस्पेशलस्पेशलड36फेरे. ट्रेन संख्या 04126 बांद्रा टर्मिनस - सूबेदारगंज साप्ता हिक सुपरफास्ट स्पेशल को 03 सितंबर से 31 दिसंबर,तक बढ़ा दिया गया है इसी तरह, ट्रेन संख्या 04125 सूबेदारगंज-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 02 सितंबर से 30 दिसंबर, तक बढ़ा दिया गया है।

7.ट्रेन संख्या 01920 अहमदा बाद-आगरा कैंट त्रि-साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 04 सितंबर से 15 नवंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्या 01919आगरा कैंट-अहमदाबाद त्रि-साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 03 सितंबर से 14 नवंबर, तक बढ़ा दिया गया है।

8.ट्रेन संख्या 01906 अहमदाबाद-कानपुर सेंट्रल साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 03 सितंबर से 12 नवंबर,तक बढ़ा दिया गया है।इसी तरह, ट्रेन संख्या 01905 कानपुर सेंट्रल-अहमदाबाद साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 02 सितंबर से 11 नवंबर, तक बढ़ा दिया गया है।

9.ट्रेन संख्या 04166 अहमदा बाद-आगरा कैंट साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 05 सितंबर से 14 नवंबर,तक बढ़ा दिया गया है।इसी तरह, ट्रेन संख्या 04165 आगरा कैंट-अहमदाबाद साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 04 सितंबर से 13 नवंबर,तक बढ़ा दिया गया है।

10.ट्रेन संख्या 04168 अहमदा बाद-आगरा कैंट साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 02 सितंबर से 11 नवंबरतक बढ़ा दिया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04167 आगराकैंट-अहमदाबाद साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 01 सितंबर से 10 नवंबर,तक बढ़ा दिया गया है।

वडोदरा की विश्वामित्री नदी के जलस्तर में गिरावट जारी है, कल से जलस्तर 11फीट कम हो गया है

वडोदरा,30 अगस्त

वडोदरा में तबाही मचाने वाली विश्वामित्री नदी की बाढ़ का पानी गुरुवार सुबह से कम होना शुरू हो गया है, अब तक लगभग 11 फीट पानी घट चुका है, अधिकांश निचले इलाकों में पानी धीरे-धीरे कम हो रहा है। कल सुबहतक विश्वामित्री का स्तर35.25फीट था. आज सुबह 11 बजे यह घटकर 24.20 फीट रह गया।

इस प्रकार, बाढ़ के बाद कल से बारिश रुकने और पानी की आपूर्ति भी बंद होने से विश्वामित्री के स्तर में तेजी से गिरावट के कारण शहर का जनजीवन धीरे-धीरे चरमरा गया है।

विश्वामित्री के साथ-साथ अजवा झील भी कल दोपहर से घट गई है। आजसुबह11:00 बजे मौजूदा स्तर 213.70फीटथा.चार दिन पहले अजवा झीलका स्तर 214.85 फीट तक पहुंचने से गंभीर स्थिति बन गई थी और अजवा और इसके ऊपर वास प्रतापपुरा झील से भारी पानी छोड़ा गयाथा। जिसके कारण वडोदरा में विनाशकारीबाढ़आगई.एक सुविचारित जोखिम लेते हुए, सिस्टमने अजवाझीलके द्वार 213.65 फीट परबंदकर दिए और अजवा की आय बंद होनेसे विश्वामित्री का स्तर तेजी से गिर गया।

टाटा एआईए ने अनिवासी भारतीयों के लिए अमेरिकी डॉलर में जीवन बीमा समाधान प्रस्तुत किए

अहमदाबाद, 29 अगस्त भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एक टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (टाटा एआईए) ने भारत के पहले अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी), गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में अपनी ऑफशोर शाखा शुरू की है। इस शाखा में कंपनी अपनी वेबसाइट https://international.tataaia.com के ज़रिए अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) को अमेरिकी डॉलर डिनॉमिनेटेड जीवन बीमा उत्पाद प्रस्तुत करेगी।

टाटा एआईए के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री वेंकी अय्यर ने कहा, "आईएफएससी गिफ्ट सिटी की स्थापना करके भारत सरकार ने भारतीय वित्तीय सेवाओं के दायरे को व्यापक बनाने की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम उठाया है। यह बीमा कंपनियों के लिए विदेशी मुद्रा डिनॉमिनेटेड उत्पाद प्रस्तुत करने का बेहतरीन अवसर है। हमें ख़ुशी हो रही है कि हम अपने एनआरआई उपभोक्ताओं के लिए जीवन बीमा समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं, जिससे वे अपने परिवारों को सुरक्षित कर सकेंगे और अपनी आकांक्षाओं को पूरा कर सकेंगे।"

यूएस डॉलर में पॉलिसी लाभ देने वाली, यूएसडी डिनॉमिनेटेड लाइफ प्रोटेक्ट सुप्रीम के साथ कंपनी शुरूआत करेगी। इस योजना में 100 वर्ष की आयु तक मृत्यु, दुर्घटना, विकलांगता और गंभीर बीमारी जैसे जोखिमों को कवर किया है। एनआरआई उपभोक्ता अपनी जीवनशैली, मेडिकल हिस्ट्री और व्यवसाय के अनुसार अपने कवरेज को तैयार करने के लिए पांच योजना विकल्पों में से चुन सकते हैं। इनमें आकस्मिक मृत्यु लाभ, गंभीर बीमारी कवर और आकस्मिक कुल और स्थायी विकलांगता पर प्रीमियम की छूट जैसे अतिरिक्त लाभ (राइडर्स) को भी शामिल किया जा सकता है।

कंपनी जल्द ही यूनिट लिंक्ड जीवन बीमा उत्पाद भी लाएगी, जिससे उपभोक्ता वैश्विक इक्विटी बाजारों में आकर्षक निवेश अवसरों से लाभ उठा पाएंगे।

प्यार, कॉमेडी और ड्रामा का मिश्रण, ठउड़न छूठ की स्टार कास्ट वडोदरा में मेहमान है

वडोदरा : प्यार और कॉमेडी से भरपूर आगामी फिल्म उड़न छू इंदिरा मोशन पिक्चर्स और नवंबर फिल्म्स के बैनर तले राहुल बादल, जय शाह और अनीश शाह द्वारा निर्मित एक गुजराती फिल्म है। फिल्म का निर्देशन अनीश शाह ने किया है। यह फिल्म 6 सितंबर 2024 को दुनिया भर में रिलीज हो रही है। यह फिल्म शादी की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में उतार-चढ़ाव, हंसी-आंसू और ऐसे उत्सवों के साथ आने वाले अनूठे अनुभवों को भी दिखाया जाएगा। हर कोई यह जानने को उत्सुक है कि परफेक्ट फैमिली एंटरटेनर में और क्या होगा। फिल्म में आरोही पटेल, आर्जव त्रिवेदी, देवेन भोजानी और प्राची शाह पंड्या जैसे टॉप क्लास कलाकार मुख्य भूमिका में हैं। हाल ही में फिल्म के कलाकारों ने वडोदरा का दौरा किया और फिल्म पर चर्चा की। ठउड़न छूठ विवाह की रंगीन और विनोदी जटिलताओं को दर्शाता है। फिल्म गुजराती विवाह की पारंपरिक व्यवस्था के बीच दो व्यक्तियों के बीच एक अप्रत्याशित रिश्ते को दर्शाती है। फिल्म में हंसी और भावनाओं का अनोखा मिश्रण है। दर्शक भावनाओं के उतार-चढ़ाव की उम्मीद कर सकते हैं क्योंकि फिल्म कुछ पारंपरिक मानदंडों पर सवाल उठाती है और प्यार के जादू का जश्न मनाती है। हर स्टार कास्ट अपने किरदार से फिल्म में एक अलग स्वाद जोड़ता है। देवेन भोजानी हसमुख मेहता की भूमिका निभाते हैं, जबकि आरोही पटेल किना मेहता की भूमिका निभाती हैं। फ़िरोज भगत दादा की भूमिका में और स्मित जोशी कुकू की भूमिका में नज़र आते हैं। प्राची शाह पंड्या पंकोर पापडवाला की भूमिका में गहराई और आकर्षण लाती हैं और आर्जव त्रिवेदी हार्दिक पापडवाला की भूमिका निभाते हैं। सहायक कलाकारों में पिंटू मामा के रूप में जय उपाध्याय, जाह्नवी के रूप में अलीशा प्रजापति और सैमी के रूप में मयंक गोरे शामिल हैं, जो फिल्म की कहानी में योगदान देते हैं। हंसी और हार्दिक भावनाओं के बेहतरीन मिश्रण के साथ, 'उड़न छू' पारिवारिक और कॉमेडी फिल्म प्रेमियों के लिए ज़रूर देखने लायक होगी। 'उड़ान छू' गुजराती सिनेमा में परिवार और खुशी के परिचित विषयों पर एक ताज़ा परिप्रेक्ष्य पेश करके खुद को अलग करता है। ठउड़न छूठ अपने संबंधित पात्रों और सार्वभौमिक अपील के साथ एक नया मोड़ प्रस्तुत करता है। यह फिल्म विशिष्ट शैली की सीमाओं से परे है और सभी उम्र के दर्शकों के लिए बनाई गई है। यह फिल्म उन लोगों को ज़रूर देखनी चाहिए जो हंसी, कॉमेडी और भावनाओं के मिश्रण वाली कहानी पर आधारित फिल्में देखना पसंद करते हैं। गौरतलब है कि देवेन भोजानी, प्राची शाह पंड्या, आर्जव त्रिवेदी, आरोही पटेल पहली बार साथ आ रहे हैं, ऐसे में फिल्म को लेकर काफी उम्मीदें हैं. 'उड़न छू' सिर्फ एक फिल्म नहीं है; यह जीवन, प्रेम और हँसी का उत्सव है। 6 सितंबर, 2024 को रिलीज होने वाली इस फिल्म के साथ सिनेमाई यात्रा शुरू करने के लिए तैयार हो जाइए, जो आपके चेहरे पर मुस्कान और खुशी लाने का वादा करती है।

रियलमी 13 सीरीज़ 5जी 17,999 रुपये के शुरुआती मूल्य में अतुलनीय स्पीड प्रदान करेगा

भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड, रियलमी ने आज अपनी बहुप्रतीक्षित रियलमी 13 सीरीज़ 5जी लॉन्च की। नंबर सीरीज़ में नए स्मार्टफोन के साथ ही रियलमी बड्स टी01 भी पेश किए गए। रियलमी 13 सीरीज़ 5जी अपनी अतुलनीय स्पीड के साथ स्मार्टफोन उद्योग में परफॉर्मेंस के मानकों को बदल देगी।

रियलमी अपनी नंबर सीरीज़ नई टैगलाइन: ''नैक्स्ट-जेन पॉवर'' के साथ पेश कर रहा है। इसका उद्देश्य मिड-रेंज मूल्य वर्ग में पॉवर और परफॉर्मेंस के नए मानक स्थापित करना है। रियलमी 13 सीरीज़ 5जी नंबर सीरीज़ में अब तक की सबसे शक्तिशाली पेशकश है।

इस लॉन्च के बारे में रियलमी के प्रवक्ता ने कहा, ''हम रियलमी 13 सीरीज़ 5जी पेश करके बहुत उत्साहित हैं। यह हमारे सफर में एक बड़ी उपलब्धि है। इस लॉन्च के साथ हम नई टैगलाइन: 'नैक्स्ट-जेन पॉवर' लेकर आए हैं। रियलमी नंबर सीरीज़ यह हमारे पोर्टफोलियो का केवल एक नया उत्पाद ही नहीं, बल्कि एक गेम-चेंजर है, जो मिड रेंज मूल्य वर्ग में पॉवर और परफॉर्मेंस के नए मानक स्थापित कर रहा है। रियलमी 13 सीरीज़ 5जी नंबर सीरीज़ में अब तक की सबसे शक्तिशाली पेशकश है। हमारा मानना है कि अपने आधुनिक फीचर्स और बेहतर परफॉर्मेंस के साथ यह मिड रेंज स्मार्टफोन के क्षेत्र में हलचल मचा देगा। हमें लोगों के दैनिक जीवन में फ्लैगशिप अनुभव लाने पर गर्व है, जिससे यूज़र्स की अपेक्षाओं से बेहतर असाधारण उत्पाद प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है।

इस लॉन्च के बारे में अनुज सिद्धार्थ, डायरेक्टर, मार्केटिंग एवं कम्युनिकेशंस, मीडियाटेक ने कहा, ''मीडियाटेक डायमेंसिटी 7300 एनर्जी एक फ्लैगशिप ग्रेड की चिपसेट है, जिसमें सर्वश्रेष्ठ 4एनएम प्रक्रिया का उपयोग किया गया है। यह नैक्स्ट जनरेशन की क्षमताओं के साथ पॉवर और एफिशियंसी का बेहतरीन संतुलन प्रदान करती है।'' उन्होंने आगे कहा, ''यह चिपसेट 10 बिट डिस्प्ले, एआई वर्कलोड के लिए शक्तिशाली एनपीयू, मीडियाटेक हाईपरइंजन ऑप्टिमाईज़ेशन के साथ बेहतर गेमिंग फीचर्स और शानदार फोटोग्राफी अनुभव को सपोर्ट करती है। रियलमी 13+ 5जी में मीडियाटेक डायमेंसिटी 7300 एनर्जी के साथ मीडियाटेक 5जी अल्ट्रासेव 3.0 और डुअल 5जी सिम सपोर्ट जैसी प्रभावशाली टेक्नोलॉजी दी गई है। इसमें बड़ी और मजबूत कोर, स्टेनलेस स्टील वेपर कूलिंग सिस्टम, और 120 हर्ट्ज़ का ओलेड ई-स्पोर्ट डिस्प्ले भी है, जिनके साथ रियलमी 13 5जी यूज़र्स को गेमिंग का बेहतरीन अनुभव प्रदान करता है ताकि वो अपने पसंदीदा गेम्स का पूरा आनंद ले सकें।''

पश्चिम रेलवे ने विशेष ट्रेनों की यात्राएँ बढ़ाई

ट्रेन संख्या	कहाँ से	कहाँ तक	सर्विस के दिन	विस्तारित किया कहाँ से	विस्तारित किया कहाँ तक
09622	बांद्रा टर्मिनस	अजमेर	सोमवार	02.09.2024	30.12.2024
09621	अजमेर	बांद्रा टर्मिनस	रविवार	01.09.2024	29.12.2024
09654	बांद्रा टर्मिनस	अजमेर	रविवार	06.10.2024	29.12.2024
09653	अजमेर	बांद्रा टर्मिनस	शनिवार	05.10.2024	28.12.2024
04712	बांद्रा टर्मिनस	बीकानेर	गुरुवार	05.09.2024	26.12.2024
04711	बीकानेर	बांद्रा टर्मिनस	बुधवार	04.09.2024	25.12.2024
09724	बांद्रा टर्मिनस	जयपुर	गुरुवार	03.10.2024	26.12.2024
09723	जयपुर	बांद्रा टर्मिनस	बुधवार	02.10.2024	25.12.2024
02200	बांद्रा टर्मिनस	वीरांगना लक्ष्मीबाई	शनिवार	07.09.2024	28.12.2024
02199	वीरांगना लक्ष्मीबाई	बांद्रा टर्मिनस	गुरुवार	05.09.2024	26.12.2024
04126	बांद्रा टर्मिनस	सूबेदारगंज	मंगलवार	03.09.2024	31.12.2024
04125	सूबेदारगंज	बांद्रा टर्मिनस	सोमवार	02.09.2024	30.12.2024
01920	अहमदाबाद	आगरा कैंट	बुध, शुक्र, रवि	04.09.2024	15.11.2024
01919	आगरा कैंट	अहमदाबाद	मंगलवार	03.09.2024	14.11.2024
01906	अहमदाबाद	कानपुर सेंट्रल	मंगल, गुरु, शनि	03.09.2024	12.11.2024
01905	कानपुर सेंट्रल	अहमदाबाद	सोमवार	02.09.2024	11.11.2024
04166	अहमदाबाद	आगरा कैंट	गुरुवार	05.09.2024	14.11.2024
04165	आगरा कैंट	अहमदाबाद	बुधवार	04.09.2024	13.11.2024
04168	अहमदाबाद	आगरा कैंट	सोमवार	02.09.2024	11.11.2024
04167	आगरा कैंट	अहमदाबाद	रविवार	01.09.2024	10.11.2024

ट्रेन नंबर 09622, 09654, 04712, 09724, 02200, 04126, 01920, 01906, 04166 और 04168 की विस्तारित यात्राओं की बुकिंग 31 अगस्त, 2024 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ठहराव के समय और संयोजन के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry. Indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

उपरोक्त गाड़ियाँ के रूप में चलेगा विशेष रेलगाड़ियाँ विशेष किराये पर.

पश्चिम रेलवे
www.wr.indianrailways.gov.in

हमें यहां लाइक करें facebook.com/WesternRly • हमें यहां फॉलो कर X.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल आईडी प्रमाण साथ रखें

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96